04 - पश्चिम एशिया की उथल-पुथल में भारत की संतुलित कूटनीति

05 - हंसी-ठिठोली का वैश्विक उत्सव है मूर्ख दिवस

06 - छोटा महावीरजी कागदीपुरा में 24 वे तीर्थंकर भगवान...

07 - 'माँ नर्मदा के आंचल में संवर्धन का संकल्प'

A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 1 अप्रैल, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 178, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

वैश्विक संकट की जड़ : हथियारों की होड़ बनाम विश्वास की कमी?

अरुण कुमार त्रिपाठी

ईरान, अमेरिका-इसराइल युद्ध की असली वजह क्या है? दुनिया में बढ़ती हथियारों की दौड़ और देशों के बीच घटते भरोसे ने वैश्विक संकट को गहरा किया है। क्या यही असली जड़ है?

इसराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध ने विश्व व्यवस्था के लिए जो खतरा पैदा किया है उस पर चिंताएं पैदा हो रही हैं लेकिन उनकी गंभीरता और उनका स्तर वह नहीं है जो होना चाहिए। अभी अधिक से अधिक प्रदर्शन हो रहे हैं और सरकारों की आलोचनाएँ हो रही हैं। लेकिन ठोस कार्रवाइयां नहीं हो रही हैं, जबकि पिछली सदी में जारी घोषणा पत्रों का हिस्सा अनिवार्य सैनिक भर्ती का विरोध और हर तरह के युद्ध का नकार था।

सेना में अनिवार्य भर्ती के विरुद्ध एक ऐसा ही घोषणा पत्र 1926 में जारी हुआ था जिस पर एनी बेसेंट, मार्टिन बूबर, एडवर्ड कारपेंटर, अल्बर्ट आइंस्टीन, महात्मा गांधी, रोमां रोला, बर्ट्रेंड रसेल, रवींद्र नाथ टैगोर, एचजी वेल्स वगैरह के हस्ताक्षर थे। आज भी उसी तरह का हस्ताक्षरित पत्र इसराइल से बाहर रहने वाले यहूदियों के 120 नेताओं की ओर से सामने आया है। उनका कहना है कि हिंसा न सिर्फ नैतिक रूप से शर्मनाक है बल्कि इसराइल के भविष्य के लिए रणनीतिक ख़तरा है। यह पत्र इसराइली राष्ट्रपति इजाक हरजोग को संबोधित है। इसमें कहा गया है कि पश्चिमी तट के निर्दोष फिलस्तीनियों पर यहूदी और इसराइली अतिवादियों द्वारा बरपाया गया कहर एक क़िस्म की चेतावनी है। इसराइली इतिहासकार युआल नोवा हरारी का कहना है कि अगर हम फिलस्तीनियों के प्रति अपना व्यवहार नहीं बदलते तो इसराइल ऐतिहासिक तबाही का शिकार होगा। नेतन्याहू और उनके सहयोगी संगठन इसराइल के भविष्य के बारे में उचित निर्णय लेने के लिए सक्षम नहीं हैं।

हरारी का कहना है कि इसराइल के शासक सैम्सन के सिद्धांत पर चल रहे हैं। सैम्सन बाइबल का एक चरित्र है जिसने फिलस्तीनी मंदिर के खंबे को इस तरह से पकड़ कर खींचा कि मंदिर भरभरा कर गिर गया और उसके मलबे में हजारों फिलिस्तीनियों के साथ वह भी दब कर मर गया। इसी सिद्धांत का रूपक देते हुए अमेरिकी पत्रकार सैमुअल हर्श ने एक किताब लिखी है, जिसका शीर्षक हैः- द सैम्सन आप्शनः इसराइलस न्यूक्लियर आप्शन एंड अमेरिकन फॉरेन पॉलिसी। यह पुस्तक इसराइल के नाभिकीय प्रोग्राम की कहानी कहती है जिसमें इसराइल की इस पहल से कैनेडी से निक्सन तक कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों को चिंतित दिखाया गया है।

इसराइल-अमेरिका और ईरान के मौजूदा परिदृश्य पर टिप्पणी करते हुए हरारी कहते हैं कि हम नई किस्म की वैश्विक अव्यवस्था में प्रवेश कर रहे हैं। यह एक तरह का साम्राज्यवादी युग है जिसकी आहट साफ़ सुनाई पड़ रही है। इसमें 2000 वर्षों की यहूदी संस्कृति और लोकतंत्र नष्ट होने जा रहा है। उनका मानना है कि आज के दस साल पहले ऐसी विश्व व्यवस्था थी या उसका आभास था कि कोई देश किसी पर बेवजह और ग़ैर क़ानूनी तरीक़े से हमला नहीं करेगा। इस व्यवस्था में छोटे-छोटे देश भी अपने को सुरक्षित महसूस करते हुए सैन्य व्यवस्था पर खर्च कम रहे थे और शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ा रहे थे। वैसा मानव इतिहास में पहली बार हो रहा था लेकिन अब वह प्रणाली बदल रही है। यहीं पर वे सवाल करते हैं कि क्या आप अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को युद्ध द्वारा प्राप्त करेंगे या फिर विश्वास के माध्यम से? क्योंकि ऊर्जा सिर्फ ईंधन नहीं है बल्कि सभ्यताओं के बीच कायम होने वाला एक विश्वास का रिश्ता है। लेकिन तनाव और युद्ध कम करने के लिए वैकल्पिक और विशेषकर सौर ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाना ज़रूरी है क्योंकि उनके वैश्विक वितरण में अधिक साम्य है।

पर यह काम न तो सत्ता प्रतिष्ठानों को महज गाली देते रहने से हो पाएगा और न ही उनकी अंधभक्ति करने से। सत्ता प्रतिष्ठानों के मनुष्य विरोधी, नैतिकता विरोधी और पृथ्वी विरोधी चरित्रों को उजागर करने का सिलसिला रुकना नहीं चाहिए। ऐसी देशभक्ति और ऐसा राष्ट्रवाद दुनिया के लिए विनाशकारी होंगे जिनमें महज अपने आर्थिक और सुरक्षा संबंधी हितों की चिंता की जाती है। क्योंकि अगर विश्व व्यवस्था अस्थिर होगी तो किसी भी राष्ट्र का हित नहीं सधने वाला है बल्कि अहित ही होगा। तमाम तरह की मिसाइलों और उनकी मारक क्षमताओं पर रोमांचित होने वालों को समझना चाहिए कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के यह नए आविष्कार न तो विज्ञान के हित में है और न ही सामाजिक व्यवस्था के हित में।

भौतिक विज्ञानी पॉल लैंगेविन ने विज्ञान और युद्ध के संबंधों में जो घोषणा जारी की थी उस पर अल्बर्ट आइंस्टीन ने हस्ताक्षर किए थे। चूंकि विज्ञान की प्रगति पर कोई सीमा लगाई नहीं जा सकती इसलिए युद्ध को रोकना ही एक मात्र विकल्प है। हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सैद्धांतिक रूप से हर प्रकार के युद्ध का विरोध करें।

निश्चित तौर पर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की विश्व व्यवस्था के निर्माण में इन घोषणाओं और संकल्पों का बड़ा योगदान था। उसके बाद अगर किसी अन्य देश पर परमाणु बम का प्रयोग नहीं हुआ तो इन तमाम चेतावनियों का प्रभाव था, भले ही उस व्यवस्था में तमाम कामियां थीं और एनपीटी और सीटीबीटी का पाखंड था जिसके कारण भारत, पाकिस्तान और इसराइल जैसे देशों ने परमाणु बम बना डाले। लेकिन उस विवेक ने एक शांतिपूर्ण सहअस्तित्व पर आधारित व्यवस्था की आशा जगाई थी। उसने यह सपना दिखाया था कि दुनिया 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलेगी। आज उस विश्वास की धज्जियां उड़ रही हैं। विडंबना है कि गांधी, बुद्ध, महावीर और गुटनिरपेक्ष आंदोलन का देश भारत भी अमेरिका-इसराइल की इस धुरी का हिस्सा बन रहा है।

हो सकता है जब हथियारों के बजाय विश्वास का उद्योग लगाया जाए और जब तक सरकार न समझे तब तक ऐसी नागरिक और जनशक्तियों को जगाया जाए जो परमाणु बम से लेकर हर प्रकार के शस्त्र का विरोध करें। अंतरराष्ट्रीय विवादों को हिंसा के बजाय बातचीत से हल करने का सिद्धांत तैयार करें और उसका प्रचार करें। दुनिया में ऊर्जा के अधिकतम उपभोग की सभ्यता को सभ्यता कहना बेमानी है। युद्ध का एक कारण पिछले तीस सालों में तैयार हुआ भयानक उपभोग पर आधारित समाज भी है जो झूठ, घृणा, हिंसा और युद्ध पर आधारित राष्ट्रवाद को पसंद करता है और शारीरिक सुख के अलावा कुछ देखता नहीं है। लेकिन वह यह नहीं सोचता कि यह धरती सिर्फ उसी के उपभोग के लिए नहीं है। यह काम संयम के विचार और पारस्परिक विश्वास और एक उच्च स्तरीय नैतिकता से ही हो सकेगा और उसके लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बिहार के नालंदा के मंदिर में हादसा

भगदड़ में 9 की मौत

● इनमें 8 महिलाएं, राष्ट्रपति की सुरक्षा में 2500 जवान, 10 हजार श्रद्धालुओं के लिए कोई नहीं

पटना/नालंदा (एजेंसी)। बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को शीतला अष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है।

मंगलवार को नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं। उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 10 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी।

एसएचओ राजमणि को सस्पेंड किया

हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के एसएचओ राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं मृतकों के परिजनों के 6 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की।

तीन बड़े कारण

- मंदिर प्रबंधन ने व्यवस्था नहीं की
- चोर दरवाजे से दर्शन कराए जा रहे थे
- 10 हजार की भीड़, पुलिस- प्रशासन की कोई व्यवस्था नहीं।

राष्ट्रपति - प्रधानमंत्री ने जताया दुख, 2 लाख मुआवजे का ऐलान

बिहार के नालंदा में एक मंदिर में हुई भगदड़ में अनेक श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं सभी शोकाकुल परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। पीएम मोदी ने मंगलवार को बिहार के नालंदा के शीतला माता मंदिर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने इसमें जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की और 2 लाख मुआवजे की घोषणा की।

सीएम मोहन यादव पहुँचे बाबा विश्वनाथ की शरण में

मप्र और उप्र मिलकर लिखेंगे सुशासन और आध्यात्मिक पर्यटन की नई इबारत : सीएम डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें 'विरासत के साथ विकास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए सुशासन और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में साझा संस्कृति विकसित कर रही हैं। यह न केवल दोनों राज्यों के संबंधों को प्रगाढ़ करेगा, बल्कि जन-कल्याण के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बात वाराणसी में विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के भ्रमण के दौरान कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने वाराणसी भ्रमण की शुरूआत देवादिदेव महादेव श्री काशी विश्वनाथ जी के दर्शन और पूजन के साथ किया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधि-विधान से पूजन कर मध्यप्रदेश की जनता की खुशहाली और निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पावन गंगा घाट पहुँचकर पतित पावनी माँ गंगा के दर्शन किए। उन्होंने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ माँ गंगा का पूजन किया और गंगाजल से आचमन किया। दर्शन और पूजन के बाद उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ के धाम में आकर जो आध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है, वह अद्भुत है।

काशी-महाकाल के बीच व्यवस्थाओं का साझा संगम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को वाराणसी भ्रमण के दौरान विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ और बाबा महाकाल के धामों के बीच व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण एमओयू किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दर्शनार्थियों को सुगम और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

सिंहस्थ-2028 के लिए प्रबंधन का रोडमैप

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाराणसी के अनुभवों को मध्यप्रदेश के उज्जैन में होने वाले आगामी सिंहस्थ-2028 के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के न्यासियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रेजेंटेशन से कॉरिडोर में तीर्थयात्री प्रबंधन, क्राउड कंट्रोल (भीड़ प्रबंधन), दर्शन व्यवस्था और मोबाइल ऐप आधारित टोकन सिस्टम का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज कुंभ और काशी कॉरिडोर के प्रबंधन से सीख लेकर हम उज्जैन में श्रद्धालुओं के लिए दूरगामी योजनाएं तैयार कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को दर्शन की उच्चतम और सुगम व्यवस्था देना हमारा लक्ष्य है। प्रेजेंटेशन से तीर्थ स्थल प्रबंधन की एसओपी को समझा। इसमें रियल टाइम सीसीटीवी मॉनिटरिंग, जोन-बेस्ड क्राउड कंट्रोल, सुरक्षा प्रोटोकॉल और स्वच्छता प्रबंधन के आधुनिक तौर-तरीकों पर चर्चा की गई।

वाराणसी में महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का भव्य मंचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन और न्यायप्रियता को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आगामी 3 से 5 अप्रैल तक वाराणसी में महानाट्य का मंचन किया जा रहा है। सम्राट विक्रमादित्य शोध संस्थान के माध्यम से आयोजित होने वाले इस महानाट्य में सैकड़ों कलाकार हिस्सा लेंगे, जिसमें हाथी, घोड़े और ऊंटों के साथ प्राचीन विधाओं का जीवंत प्रदर्शन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच बढ़ते आर्थिक और बुनियादी ढांचे के सहयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से दोनों राज्यों के किसानों का भाग्य बदल रहा है।

शरद की सुबह

हे नेताओं, यह याद रखो,
दुनिया मूर्खों पर कायम है
मूर्खों की वोटें ज्यादा हैं,
मूर्खों के चंदे में दम है।
हे प्रजातंत्र के परिपोषक,
बहुमत का मान करे जाओ!
जब तक हम मूरख जिन्दा हैं,
तब तक तुमको किसका ग़म है?
इसलिए भाइयों, एक बार
फिर बुद्धूपन की जय बोलो!
अक्कल के किवाड़ बंद करो,
अब मूरखता के पट खोलो।
यह विश्वशांति का मूलमंत्र,
यह राम-राज्य की प्रथम शर्त,
अपना दिमाग गिरवीं रखकर,
खाओ, खेलो, स्वच्छंद बनो!
अब मूर्ख बनो, मतिमंद बनो!

- गोपाल प्रसाद व्यास

● टोल प्लाजा पर आज से नगद भुगतान नहीं होगा

आज से बदल जाएंगे यह नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज यानी 1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा पर नगद भुगतान बंद हो जाएगा। वाहन चालक सिर्फ फास्टैग या यूपीआई पेमेंट के जरिए ही टोल टैक्स चुका सकेंगे। इसके अलावा, मंगलवार रात 12 बजे के बाद देश में टैक्स और बैंकिंग से जुड़े 3 बड़े कामों की डेडलाइन खत्म हो गई।

फास्टैग अकाउंट एक्टिव कर लें

- **सरकारी स्कीम्स एक्टिव रखें-** पीपीएफ, एनपीएस और सुकन्या में डालें मिनिमम बैलेंस रखे नहीं पेनाल्टी लगेगी।
- **पुरानी टैक्स रिजीम में सेविंग का मौका-** 80सी और 80डी के तहत निवेश करें। 1 अप्रैल या उसके बाद किया गया निवेश अगले साल के खाते में गिना जाएगा।
- **सैलरी क्लास के लिए जरूरी-** ऑफिस में जमा करें इन्वेस्टमेंट प्रूफ। अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपको अपने ऑफिस में इन्वेस्टमेंट प्रूफ जमा करने होंगे।

हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के द्रास में बर्फबारी, दिल्ली में धुंध छाई

● मप्र-राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश के साथ ओले गिरे

नईदिल्ली/शिमला/मुंबई/भोपाल/जयपुर (एजेंसी)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस ऐक्टिव होने के कारण 5 अप्रैल तक कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश के साथ ओले गिरे। मौसम विभाग के मुताबिक, आज 16 राज्यों में बारिश की संभावना है। वहीं दिल्ली में मंगलवार सुबह धुंध छाई थी और तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं बारिश भी हुई।

राजस्थान के 6 जिलों में बारिश हुई, जिससे तापमान में 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मध्य प्रदेश के 8 जिलों में ओले गिरे। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर समेत चार जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

असम चुनाव के लिए बीजेपी का घोषणापत्र जारी

● पांच साल में 2 लाख सरकारी नौकरियों का वादा ● लव जिहाद पर एक्शन लेंगे

बांग्लादेशी मुस्लिमों की कब्जाई जमीन वापस लेंगे, कुल 31 वादे किए हैं

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार सुबह असम के लिए मेनिफेस्टो (संकल्प पत्र) जारी किया। इसमें लव जिहाद पर एक्शन, घुसपैठियों से कब्जाई जमीन वापस लेने, राज्य में यूसीसी लागू करने, युवाओं को 5 साल में 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। पत्र में कुल 31 वादे किए गए हैं। इसके अलावा महिलाओं के लिए अरुनोदोई योजना के तहत हर महीने मिलने वाली राशि 1250 से बढ़ाकर 3 हजार करने का वादा किया है। लखपति दीदी योजना के तहत 40 लाख महिलाओं को 25,000 तक की सहायता देने की भी योजना का ऐलान किया है।

- **लिएंडर पेस भाजपा में शामिल, बोले- अब सेवा का वक्त-** पूर्व दिग्गज टेनिस स्टार लिएंडर पेस मंगलवार को भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने कहा- यह मेरे लिए खेल और युवाओं की सेवा करने का एक बड़ा मौका है। मैंने 40 साल तक देश के लिए खेला, अब युवाओं की सेवा करने का समय आ गया है।

- **किरेन रिजिजू बोले- उम्मीद है लिएंडर पेस बड़ी पारी खेलेंगे-** दिल्ली में टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस के भाजपा में शामिल होने पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- यह जश्न मनाने का पल है कि ऐसे महान खिलाड़ी भाजपा में शामिल हुए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप भाजपा के मंच पर एक बड़ी पारी खेलेंगे।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20 °c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 1 अप्रैल 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता में ईसी ऑफिस के बाहर भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प

ममता का आरोप- भाजपा ने बंगाल में अवैध वोटरों के नाम जोड़ने की कोशिश की

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में चुनाव आयोग के ऑफिस (ईसीओ) के बाहर भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद हैं। इधर सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि

भाजपा बिहार, उत्तर प्रदेश के अवैध वोटरों को बंगाल के वोटर लिस्ट में शामिल करने की कोशिश कर रही है। ममता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा- भाजपा के एजेंटों को बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस में हजारों फर्जी फॉर्म 6 आवेदन जमा करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। यह वोटर हाइजैकिंग की कोशिश है, वही गंदा खेल जो भाजपा ने महाराष्ट्र और दिल्ली में खेला था।

केरल में राहुल गांधी बोले-

बुजुर्गों को 3 हजार पेंशन, युवाओं को 5 लाख तक लोन देंगे

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उनकी सरकार बनने पर राज्य में बुजुर्गों को 3,000 पेंशन दी

जाएगी। उनके लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाएगा।

राहुल ने कहा- जो भी युवा अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या एंटरप्रेन्योर बनना चाहते हैं, उन्हें रू. 5 लाख तक का ब्याज-मुक्त लोन दिया जाएगा। ओमन चांडी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम नाम से एक नई योजना शुरू की जाएगी जिसके तहत हर परिवार को 25 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा।

आज से एक-दो महीने बाद देश में वित्तीय भूकंप आएगा- केरल के कोझिकोड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर कहा कि आने वाले समय में इसका असर भारत पर पड़ेगा और एक 'आर्थिक भूचाल' की स्थिति बन सकती है।

कानपुर में एमबीए स्टूडेंट की किडनी निकालकर बेची

● 10 लाख में फंसाया, 60 लाख में बेची, किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का खुलासा

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में पुलिस ने अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का सोमवार देर रात खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक, एक एमबीए छात्र की किडनी 10 लाख रुपए में खरीदी गई और मरीज को 60 लाख रुपए में बेची गई। तय

सौदे के अनुसार छात्र को 50 हजार रुपए कम दिए गए। इसके बाद उसने पुलिस को फोन कर मामले की जानकारी दी।

सूचना मिलने पर सोमवार देर रात पुलिस ने शहर के मेड लाइफ हॉस्पिटल, अहूजा हॉस्पिटल और प्रिया हॉस्पिटल में एक साथ छापेमारी की। पुलिस का कहना है कि मेड लाइफ हॉस्पिटल में किडनी डोनर एमबीए छात्र और किडनी पाने वाला मरीज भर्ती मिले। जब ट्रांसप्लांट से जुड़े दस्तावेज मांगे गए, तो अस्पताल कोई वैध कागजात पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने इस रैकेट से जुड़े आरोप में अहूजा हॉस्पिटल की मालकिन डॉ. प्रीति आहूजा, उनके पति डॉ. सुरजीत और एक दलाल शिवम समेत कुल 10 लोगों को हिरासत में लिया है।

मायके से मिली संपत्ति पर पति का अधिकार नहीं

● पारिवारिक विवाद पर आंध्र हाईकोर्ट बोला- निसंतान महिला का सबकुछ पिता के वारिस को मिलेगा

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी हिंदू महिला को माता-पिता से विरासत में संपत्ति मिली है और उसकी मौत बिना संतान, वसीयत किए बिना ही हो जाती है, तो उस संपत्ति पर पति-ससुराल का कानूनी हक नहीं होगा। ऐसी संपत्ति महिला के पिता के कानूनी वारिसों को जाएगी। जस्टिस तारलाडा राजशेखर राव ने कहा-हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(2)(ए) इस बारे में साफ है। अगर महिला को पिता या मां से संपत्ति मिली हो और उसकी कोई संतान न हो, तो उसकी मौत के बाद वह संपत्ति पिता के वारिसों को जाएगी। पति का उस संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा।

महिला की नानी की वसीयत को लेकर था विवाद

मामला एक परिवार की संपत्ति से जुड़ा है। 2002 में एक महिला ने अपनी संपत्ति पहली नातिन को गिफ्ट कर दी थी। 2005 में उस नातिन की बिना संतान मौत हो गई। इसके बाद नानी ने पुराना गिफ्ट रद्द कर संपत्ति दूसरी नातिन के नाम वसीयत कर दी। 2012 में दादी की मौत के बाद दूसरी नातिन ने राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का आवेदन किया।

राजस्व अधिकारी ने दूसरी नातिन के पक्ष में आदेश दिया, लेकिन मृत नातिन के

पति ने इसे चुनौती दी। जॉइंट कलेक्टर ने आरडीओ का फैसला पलट दिया और पति के पक्ष में म्यूटेशन करने का निर्देश दिया। कहा गया कि शुरुआती गिफ्ट डीड रद्द करना कानूनी रूप से वैध नहीं था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा।

हाईकोर्ट बोला-

पति की आय बढ़ा-चढ़ाकर बताना 'झूठा' नहीं

पारिवारिक विवाद से जुड़े ऐसे ही एक मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि भरण-पोषण (मेंटेनेंस) के मामलों में पत्नी का पति की आय बढ़ाकर बताना आम बात है। सिर्फ इसी आधार पर पत्नी के खिलाफ झूठा बयान देने (परजरी) की कार्रवाई नहीं की जा सकती। कोर्ट ने पति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने पत्नी पर कार्रवाई की मांग की थी।

सिवनी में नारकोटिक्स टीम ने बोला धावा

पेंट और डिस्टेंपर के डिब्बों में रखकर हो रही थी गांजे की तस्करी

सिवनी (नप्र)। नेशनल हाइवे-44 पर मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) भोपाल की टीम ने मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लगभग 114 किलो गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश के लखनादौन थाना क्षेत्र में की गई, जहां संदिग्ध वाहन को टोल प्लाजा के पास रोककर तलाशी ली गई।

पेंट और डिस्टेंपर के डिब्बों का इस्तेमाल- जांच के दौरान तस्करों ने बड़ी चतुराई से गांजे को छिपाने के लिए पेंट और डिस्टेंपर के डिब्बों का सहारा लिया था। डिब्बों के नीचे गांजे के पैकेट इस तरह छिपाए गए थे कि पहली नजर में किसी को शक न हो। हालांकि एनसीबी की सतर्क टीम ने बारीकी से जांच करते हुए पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया।

दो आरोपी गिरफ्तार- कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह मादक पदार्थ छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में सप्लाई के लिए ले जाया जा रहा था। आरोपियों के नेटवर्क और इस तस्करी में शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

लाखों में है गांजे की कीमत- एनसीबी अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम है। बरामद गांजे की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की तस्करी को रोकने के लिए लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फिलहाल पुलिस और नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो की टीम मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह भी पता करने में जुटी है कि रायसेन में गांजे की खेप किसे डिलीवर होनी थी।

● गुजरात में पीएम मोदी ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया, कहा-

भारत को इस सेक्टर का ग्लोबल हब बनाने का कोरोना काल में संकल्प लिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी ने गुजरात के साणंद में केयन्स सेमीकॉन के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट (ओएसएटी) का उद्घाटन किया। इसके बाद वे प्लांट देखने पहुंचे और इंजीनियर्स से बातचीत की। पीएम ने कहा- आज सुबह डिवाइन वाले कार्यक्रम में था और अब डिजिटल के कार्यक्रम में हूं। उन्होंने कहा- हमने कोरोना के समय ही तय कर लिया था कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर का नया हब बनेगा। पीएम के उद्घाटन के साथ ही केयन्स

सेमीकंडक्टर प्लांट में प्रोफेशनल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। पहला प्लांट भी फरवरी 2026 में साणंद में ही शुरू हुआ था।

वाव थराद में 19,800 करोड़ की विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

गुजरात के बनासकांठा के वाव-थराद से पीएम मोदी ने अहमदाबाद धोलेरा एक्सप्रेसवे का शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने रेल, जल और सड़क के साथ दूसरे विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

भारत इस दिशा में मिशन मोड पर काम कर रहा

2021 में भारत ने इंडिया सेमिकंडक्टर मिशन शुरु किया था। यह मिशन सिर्फ एक इंडस्ट्रियल पॉलिसी नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का ऐलान था। अच्छा होता कि यह काम आज से 30-40 साल पहले शुरू हो गया होता। लेकिन, भारत अब इस दिशा में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस दिशा में एक मिशन मोड पर काम कर रहा है।

आमने-सामने भिड़ीं बाइकें, दो युवकों की मौत, तीन घायल

अशोकनगर (नप्र)। अशोकनगर के नईसराय-शाढ़ौरा रोड पर मंगलवार सुबह दो बाइकों की टक्कर हो गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर है। हादसा करीब 9 बजे बीसौर गांव के पास हुआ। पुलिस ने घायलों और शवों को अस्पताल भिजवाया।

नईसराय थाना प्रभारी मनीष सिंह गुर्जर के अनुसार- कालुआखेड़ी निवासी विशाल जाटव रिश्तेदार सुनील जाटव के साथ बाइक से नईसराय की ओर जा रहा था। बीसौर गांव के सपेरा डेरा निवासी गोविंद नाथ, राजा नाथ और बंटी नाथ के साथ बाइक से अपने डेरे की ओर लौट रहा था। बीसौर गांव के पास दोनों बाइक आमने-सामने आ गईं। स्पीड ज्यादा होने से दोनों ही बाइक अनियंत्रित होकर भिड़ गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि विशाल जाटव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल गोविंद नाथ ने अस्पताल लेकर जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही डायल- 112 मौके पर पहुंचा। घायलों में एक को नईसराय अस्पताल, जबकि दो को शाढ़ौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजा। वाहन में जगह नहीं होने पर टीआई अपनी गाड़ी से विशाल जाटव के शव को अस्पताल लेकर पहुंचे।

ईरान लगाएगा, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल

● संसदीय समिति की मंजूरी, नेतन्याहू बोले- जंग कब खत्म होगी, नहीं बता सकता ● इटली-स्पेन ने अमेरिका को एयर स्पेस देने से किया इंकार

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का फैसला किया। ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्लान के तहत जहाज ईरान को उसकी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल में टोल देंगे। इसका अलावा प्लान में अमेरिका और इजराइल से जुड़े जहाजों की एंट्री पर रोक लगाने का प्रावधान भी शामिल है। इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उन्हें नहीं पता ईरान के साथ चल रही जंग कब खत्म होगी। इसका समय तय नहीं किया जा सकता।

इटली और स्पेन ने अपने मिलिट्री बेस का इस्तेमाल करने से इंकार किया- पहले स्पेन अब इटली ने अमेरिका को अपने सिगोनेला मिलिट्री बेस का इस्तेमाल करने से रोक दिया। यह बेस सिसिली आइलैंड पर है।

ट्रम्प बोले-

- होर्मुज के रास्ते तेल नहीं मिल रहा तो हमसे खरीदो- डोनाल्ड ट्रम्प ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन जैसे देश जो होर्मुज स्ट्रेट से फ्यूल नहीं ले पा रहे हैं, उन्हें अमेरिका से तेल खरीदना चाहिए क्योंकि अमेरिका के पास पर्याप्त तेल है। उन्होंने कहा कि ये देश हिम्मत दिखाएं, होर्मुज तक जाएं और तेल खरीद लें।

सूरत की बिल्डिंग में आग, 5 की मौत

इनमें चार महिलाएं, एक बच्चा शामिल

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था। इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी। इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की कि किसी को बचने का मौका नहीं मिला।

दिल्ली-मुंबई की तर्ज पर अब 24 घंटे जागेगी 'पिंक सिटी'

● 'नाईट लाइफ' पर आ गई खुशखबरी, यह शर्तें और नियम हैं

जयपुर (एजेंसी)। क्या आपने कभी सोचा है कि रात के 2 बजे आपको जयपुर के जौहरी बाजार में गर्मागर्म कचौरी मिले या फिर एमआई रोड पर कोई आलीशान मॉल आपके स्वागत के लिए खुला हो? जी हां, जयपुर की रातों की खामोशी अब टूटने वाली है। राजस्थान सरकार ने 'पिंक सिटी' को कभी न सोने वाला शहर बनाने की तैयारी पूरी कर ली है। श्रम विभाग के नए मसौदे के साथ अब जयपुर की 'नाइट लाइफ' को नया पंख मिलने वाला है।

नींद को कहिए बाय-बाय, अब तो पार्टी शुरू हुई है!- जयपुर अब केवल किलों और महलों का शहर नहीं रहेगा, बल्कि यह दुबई और मुंबई की तर्ज पर 24 घंटे

गुलजार रहने वाला नाइट टूरिज्म डेस्टिनेशन बनेगा। बजट 2026-27 की घोषणा के बाद, अब जयपुर संभाग के जयपुर, चौमूं, कोटपूतली और शाहपुरा जैसे इलाकों में बाजार, रेस्त्रां और शॉपिंग सेंटर दिन-रात खुले रहेंगे। पर्यटकों के लिए यह किसी सपने से कम नहीं होगा। आमेर के महलों की रोशनी देखने के बाद अब आपको खाने या शॉपिंग के लिए घड़ी देखने की जरूरत नहीं होगी।

नौकरी और नोटों की होगी बारिश

यह फैसला केवल मजे के लिए नहीं, बल्कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था में 'बूस्टर' का काम करेगा। जब बाजार 24 घंटे खुलेंगे, तो दुकानों और शोरूम्स में 'नाइट शिफ्ट' के लिए अतिरिक्त स्टाफ की जरूरत होगी। इससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। आजीवन रजिस्ट्रेशन की नई व्यवस्था से अब दुकानदारों को लाइसेंस के लिए बाबुओं के चक्कर नहीं काटने होंगे। 10 से कम कर्मचारी वाले छोटे ढाबों और दुकानों को रजिस्ट्रेशन में विशेष छूट मिलेगी, जिससे शहर के कोने-कोने में सुविधाएं मिलेंगी।

इन शहरों में अब 24 घंटे खुलेंगे बाजार

राजस्थान सरकार के नए फैसले के तहत पहले चरण में प्रदेश के दो प्रमुख संभागों के महत्वपूर्ण शहरों में 24 घंटे बाजार खोलने की अनुमति दी गई है। जयपुर संभाग में राजधानी जयपुर सहित चौमूं, कोटपूतली, अलवर, भिवाड़ी, सीकर, झुंझुनूं और टोंक जैसे 32 शहरों को शामिल किया गया है, वहीं जोधपुर संभाग में जोधपुर शहर के साथ फलोदी, पाली, जालोर, सिरोही, नागौर, बाड़मेर और जैसलमेर जैसे 26 प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में अब रात भर रौनक रहेगी।

कामगारों के लिए रखी गई ये शर्तें

सरकार ने नाइट लाइफ को बढ़ावा देने के साथ-साथ कर्मचारियों के अधिकारों का भी ख्याल रखा है। नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त शर्तें हैं-

- **शिफ्ट की लिमिट :** किसी भी कर्मचारी से दिन में 10 घंटे से ज्यादा काम नहीं लिया जा सकेगा।
- **वीकली ऑफ :** सप्ताह में एक दिन सवैतनिक अवकाश देना अनिवार्य होगा। ● **सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम :** रात में पुलिसिंग और सुरक्षा को लेकर सरकार विशेष योजना बना रही है ताकि आधी रात को भी लोग बेखौफ होकर घूम सकें।

प्रदेश में आज से दूध भी महंगा

इंदौर में 3, धार में 4 रुपए का इजाफा, सांची ने अभी नहीं बढ़ाए रेट

भोपाल/इंदौर (नप्र)। महंगाई की मार अब आम आदमी की रसोई तक पहुंच गई है। नए वित्तीय वर्ष यानी आज 1 अप्रैल से इंदौर सहित मध्य प्रदेश के कई बड़े शहरों में दूध के दामों में भारी बढ़ोतरी होने जा रही है। इंदौर में दूध की कीमतों में 3 रुपए प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है, जिससे अब दूध 63 से 65 रुपए प्रति लीटर के भाव पर मिलेगा। दूध विक्रेताओं ने नई दरों का एलान कर दिया है। इंदौर में जहां 3 रुपए की बढ़ोतरी हुई है, वहीं पड़ोसी जिले धार में

कीमतें 4 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा दी गई हैं। मप्र दुग्ध विक्रेता महासंघ के अध्यक्ष भारत मथुरावाला के अनुसार, केवल इंदौर ही नहीं, बल्कि भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, देवास और बड़वाह जैसे शहरों में भी 2 से 4 रुपए तक की बढ़ोतरी की जाएगी। संघ का कहना है कि अगर पशु आहार जैसे कपास खली, चारा और भूसे के दाम बढ़ते रहे तो भविष्य में फिर से कीमतों पर विचार किया जा सकता है।

मेट्रो कॉरिडोर पर विज्ञापन पोल से बवाल

इंदौर। मेट्रो कॉरिडोर पर रातों-रात एडवरटाइजमेंट पोल लगाए जाने के मामले में एमआईसी मेंबर राजेंद्र राठौर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों से लेकर संबंधित एडवरटाइजिंग एजेंसी को कठघरे में खड़ा करते हुए पूरे मामले में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। जनकार्य प्रभारी राठौर ने कहा कि एक ओर नगर निगम शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने में जुटा है, वहीं दूसरी ओर बिना अनुमति रातों-रात इस तरह विज्ञापन बोर्ड खड़े कर दिए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किसकी अनुमति से यह कार्य किया गया। राठौर ने जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसी के खिलाफ जांच की मांग करते हुए स्पष्ट किया कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई होना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की मनमानी पर रोक लग सके।

पत्नी और बेटी ने पिता को पीटा

इंदौर। भंवरकुआं थाना क्षेत्र स्थित जीत नगर में एक व्यक्ति जब अपनी पत्नी के घर जरूरी दस्तावेज लेने पहुँचा, तो पत्नी, बेटी और एक अन्य रिश्तेदार ने मिलकर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट कर दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक फरियादी मदन (50 वर्ष), निवासी जीत नगर खंडवा नाका अपनी पत्नी रंगबाई से अलग रहते हैं। शनिवार रात करीब 8 बजे मदन अपने भांजों के साथ पत्नी के घर अपना आधार कार्ड और वोटर आईडी लेने पहुँचे थे। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि पत्नी रंगबाई, बेटी ज्योति और रिश्तेदार आर्यन ने मदन के साथ अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर तीनों ने मदन को थप्पड़ों से पीटा, वहीं बेटी ज्योति ने डंडे से हमला कर दिया। भंवरकुआं पुलिस ने मदन की रिपोर्ट पर तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मारपीट और धमकी देने की धाराओं में केस दर्ज किया है।

चाकू लेकर घूमते दो को पकड़ा

इंदौर। पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो युवकों से धारदार चाकू बरामद कर पंढरीनाथ थाने में आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पहली कार्रवाई रविवार शाम करीब 7:15 बजे सीपी शेखर नगर गार्डन पानी की टंकी के पास की गई, जहां सादब मेवाती (28 साल) निवासी कबूतरखाना क्षेत्र की तलाशी लेने पर उसके लोअर की जेब से एक लोहे का धारदार चाकू मिला। इसी तरह दूसरी कार्रवाई रात करीब 8:45 बजे मच्छी बाजार चौराहा, नाले के पास की गई। यहां सचिन उर्फ पवन उर्फ काली यादव (23 साल) निवासी महूनाका, छत्रीपुरा की तलाशी लेने पर उसके पेंट की कमर के पीछे छिपाकर रखा धारदार चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत अलग अलग प्रकरण दर्ज कर पुछताछ शुरू कर दी है।

धारदार वस्तु से महिला पर हमला

इंदौर। सिमरोल थाना क्षेत्र के ग्राम चोरल में पारिवारिक विवाद के चलते एक महिला के साथ मारपीट और हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो महिलाओं के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक फरियादिया नौशाद बी निवासी ग्राम चोरल ने शिकायत दर्ज कराई कि रविवार की शाम करीब 5 बजे मायके में रहने की बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान आरोपी केहकशा और फरीदा बी, दोनों निवासी ग्राम आठमील, थाना खुडैल, ने उसे गालियां दीं। विवाद बढ़ने पर दोनों ने फरियादिया पर चाकू जैसी नुकीली वस्तु से हमला कर दिया, जिससे उसके दाहिने हाथ की कलाई में चोट आई।

किशोरी की संदिग्ध मौत- हीरानगर थाना इलाके के बाल सुधार गृह की एक 16 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि किशोरी पिछले काफी समय से अस्वस्थ थी। हीरा नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

गांजा तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़े

इंदौर। बड़गोंदा पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गांजा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बाइक और मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार रविवार को नखेरी रोड तिराहे पर कार्रवाई के दौरान पवन डावर उम्र 41 साल और संतोष डावर उम्र 32, दोनों निवासी ग्राम घोड़ा खुर्द, को संदिग्ध हालत में पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से 2 किलो 650 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 26 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपियों के कब्जे से एक रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल एमपी 09 एक्सएच 9003 कीमत करीब 2.50 लाख रुपए तथा ओप्पो और वीवो कंपनी के दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

शराब के लिए ना कहने पर चाकू मारा

इंदौर। आजाद नगर थाना क्षेत्र में एक शख्स ने अपने ही दोस्त पर सिर्फ इसलिए चाकू से हमला कर दिया, क्योंकि उसने शराब पिलाने से मना कर दिया था। फरियादी वीरेंद्र सिंह तोमर निवासी आजाद नगर ने पुलिस को बताया कि वह काली पुलिया के पास अपने काम पर जाने के लिए खड़ा था। तभी उसका दोस्त रवि यादव वहाँ पहुँचा और पुरानी बात का हवाला देते हुए शराब पिलाने की जिद करने लगा। वीरेंद्र ने जब काम पर जाने की बात कहकर मना किया, तो रवि भड़क गया। गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुँच गया और देखते ही देखते रवि ने चाकू निकालकर वीरेंद्र के पेट में घोंप दिया। चीख-पुकार सुनकर जब तक लोग जमा होते, आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी रवि यादव के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

चौकीदार ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक क्षेत्र की ही एक कॉलोनी में चौकीदारी का काम करता था और वहीं पास में टापरी बनाकर रहता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मृतक की पहचान रामजीवन पिता तुलसीराम (23) निवासी अंबामोलिया के रूप में हुई है। वह कनाड़िया इलाके की एक कॉलोनी में चौकीदार के रूप में तैनात था। वह रात वह अपनी टापरी में सोने गया था। सुबह जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया, तो उसके भाई ने जाकर देखा। टापरी के अंदर रामजीवन का शव फंदे पर लटका हुआ मिला, जिसे देखकर हड़कंप मच गया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

युवती फांसी पर झूली- श्रद्धा श्री कॉलोनी में रहने वाली एक युवती ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतका की पहचान प्रीति मीणा पिता सुरेश (23) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने युवती के शव को पोस्टमार्ट्म के लिए भिजवाया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डेढ़ साल बाद इंदौर एयरपोर्ट 24 घंटे चालू रहने के लिए फिर खुला

रनवे की रिकार्पेटिंग का काम पूरा, फ्लाइट बढ़कर 100 होंगी

इंदौर। करीब डेढ़ साल तक रात में बंद रहने के बाद एयरपोर्ट को 24 घंटे संचालन के लिए फिर खोल दिया जाएगा। रनवे की रिकार्पेटिंग का काम पूरा हो गया। मंगलवार आधी रात 2.15 बजे पुणे की फ्लाइट इंदौर एयरपोर्ट पर उतरी। 3.15 बजे यह वापस पुणे के लिए लौटती है। समर शेड्यूल में इंदौर से फ्लाइट संचालन 100 का आंकड़ा पार हो सकता है। इंदौर को कुछ नए रूट्स के लिए भी फ्लाइट्स मिल सकेंगी। अभी इंदौर 22 शहरों से सीधे जुड़ा है। नवंबर 2024 से रिकार्पेटिंग का काम शुरू हुआ था। तब से एयरपोर्ट पर रात 10:30 से सुबह 6 बजे तक फ्लाइट का संचालन बंद था। यह काम अक्टूबर-2025 में पूरा होना था। लगातार बारिश और बिटुमिन (डामर) की कमी के कारण इसमें देरी हुई। पहले 31 दिसंबर तक काम बढ़ाया गया, फिर इसे 31 मार्च तक किया गया। 17 महीने में इंदौर एयरपोर्ट पर रनवे रिकार्पेटिंग का काम पूरा हो गया है। अभी आने-जाने में 90 फ्लाइट का संचालन हो रहा है, रात में रनवे शुरू होने से ये संख्या 100 से ज्यादा हो सकती है। रात 10 बजे रनवे बंद होने से जो फ्लाइट थोड़ी भी लेट उड़ान भरती थी, उसे निरस्त करना पड़ता था, अब ऐसी नौबत नहीं आएगी।

कुछ काम अभी भी बाकी - प्रबंधन के मुताबिक रनवे पर चार इंच डामर की परत बिछाई गई है। करीब 400-500 मीटर हिस्से में कुछ काम शेष है। अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते बिटुमिन की कमी के कारण यह हिस्सा शेष है। लेकिन, फ्लाइट की लैंडिंग, टेकऑफ वाले हिस्से में काम पूरा हो गया है। इस वजह से फ्लाइट ऑपरेशन में कोई परेशानी नहीं है।

16 फ्लाइट फिर शुरू होंगी

रनवे का काम चलने की वजह से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और पुणे सहित 16 फ्लाइटें बंद या रीशेड्यूल हुई थीं। अब इनमें से कुछ फ्लाइट दोबारा शुरू होंगी। हैदराबाद, कोलकाता, रायपुर, जयपुर जैसे शहरों के लिए भी ज्यादा फ्लाइट मिल सकती हैं। दिल्ली के लिए अभी आने-जाने में 14, मुंबई के लिए 10 और बेंगलुरु के लिए 6 फ्लाइट हैं। ट्रैफिक दबाव देखते हुए रात में ज्यादा फ्लाइट इन्हीं रूट पर मिलेंगी। बैंकॉक, सिंगापुर जैसी इंटरनेशनल फ्लाइट के लिए जो प्रस्ताव दो साल से अटके थे, उन पर काम आगे बढ़ेगा। युद्ध के कारण अभी शारजाह फ्लाइट निरस्त है।

पेंटहाउस विवाद में आरोपी पिता और पुत्र से सीन रीक्रिएट कराया

पार्किंग में कार को तेजी से चलाकर शंपा पाठक को कुचला

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में महिला इंजीनियर को कार से कुचलकर मौत के घाट उतारने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को घटनास्थल पर ले जाकर पूरे घटनाक्रम का सीन रीक्रिएट कराया, जिससे घटना की परतें खुलने लगी। समृद्धि एंक्लेव स्थित शिव वाटिका कॉलोनी में 25 मार्च को हुई इस घटना में महिला इंजीनियर शंपा पाठक की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, पेंटहाउस को लेकर चल रहे विवाद ने इतना उग्र रूप ले लिया कि आरोपियों ने गुस्से में आकर कार से वारदात की। जांच के दौरान आरोपी कुलदीप चौधरी और उसके पुत्र मोहनीश चौधरी को मौके पर ले जाकर पूरी घटना दोहराई गई। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल पर दोनों से बारीकी से पूछताछ की और यह समझने की कोशिश की कि आखिर किस परिस्थिति में इतनी खौफनाक वारदात को अंजाम दिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पार्किंग एरिया में तेज रफ्तार कार दौड़ाकर महिला को कुचला गया। अतिरिक्त डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक,मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आईटीआर भरने, सुधार, रिफंड के नाम पर साइबर फ्रॉड से बचें

हीट स्ट्रोक से बचाव के उपायों पर विशेष प्रशिक्षण दिया

इंदौर। फाइनेंशियल ईयर खत्म होने वाला है। ऐसे में लोग टैक्स भरते हैं। जिसका फायदा उठाकर ठग अक्सर टैक्स रिफंड, केवाईसी अपडेट या आईटीआर में गलती सुधारने के बहाने फर्जी मैसेज, ई-मेल या फर्जी लिंक भेजकर उन्हें निशाना बनाते हैं। ऐसे में लोगों को इन साइबर ठगों से बचने और सावधानी रखने की जरूरत है। इसे लेकर इंदौर पुलिस ने सोमवार को एडवाइजरी जारी की है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि ऐसे सभी फर्जी मैसेज, लिंक आदि पर बिना वेरिफाई करे बिल्कुल क्लिक न करें और ओटीपी, बैंक डिटेल्स किसी से साझा न करें। आईटीआर संबंधी सभी काम के लिए केवल अधिकारिक वेबसाइट का इस्तेमाल ही करें। इंदौर पुलिस द्वारा जारी एडवाइजरी में बताया गया है कि आयकर विभाग के नाम से आने वाले फर्जी कॉल, मैसेज या आईटीआर पेंडिंग मैसेज से सावधान रहें। साइबर ठग टैक्स का डर दिखाकर ओटीपी, बैंक डिटेल या पैसे मांग सकते है। इसलिए याद रखें, आयकर विभाग कभी भी फोन पर ओटीपी या बैंक जानकारी नहीं मांगता। किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें। संदिग्ध कॉल या मैसेज मिलने पर 1930 पर शिकायत करें।

मुख्यमंत्री के दौरे में ड्यूटी से गायब टीआई राजपूत को सस्पेंड किया

इससे पहले भी राहुल राजपूत को कई मामलों में सजा दी गई

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कार्यक्रमों में ट्रैफिक का एक टीआई ड्यूटी से नदारद रहा। इस मामले में ट्रैफिक अधिकारियों ने सोमवार को जांच के बाद उसे सस्पेंड करने का आदेश दिया। इसे कार्य के प्रति लापरवाही माना गया है। ट्रैफिक के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीआई राहुल राजपूत को निलंबित किया है। रविवार को उनकी ड्यूटी लगी थी, लेकिन वे गैरहाजिर रहे। राहुल राजपूत पहले द्वारकापुरी टीआई रह चुके हैं। वहां से उन्हें लाइन अटैच किया गया था। लंबे समय तक लाइन में रहने के बाद उन्हें दोबारा ट्रैफिक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इन्हें बापट चौराहे पर विशेष इंतजाम के तहत ड्यूटी के निर्देश थे, लेकिन वे गैरहाजिर रहे। इस पर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने उन्हें सस्पेंड करने के आदेश दिए। डीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने के चलते टीआई राहुल राजपूत को सस्पेंड किया गया। थाने के बाहर एक बाइक सवार से मारपीट कर लूट की घटना में इन्हें द्वारकापुरी थाने से भी लाइन अटैच किया जा चुका था।

ट्रैफिक विभाग की शिकायत - पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह को शहर के पूर्वी ट्रैफिक इलाके में भ्रष्टाचार और स्टाफ प्रताड़ना को लेकर एक गुप्त शिकायत मिलने की जानकारी सामने आई है। इस शिकायत में एक ट्रैफिक टीआई, एक एसआई और एक एचसीएम पर कई आरोप लगे हैं। ड्यूटी लगाने और हटाने के नाम पर स्टाफ से अवैध वसूली की जाने का जिक्र किया गया है। ऑनलाइन पेमेंट लेने के भी आरोप हैं, जिसके स्क्रीनशॉट शिकायत के साथ दर्ज किए गए। बताया गया कि पुलिस कमिश्नर ने मामले की गोपनीय जांच के आदेश दिए हैं। इसके अलावा अरबिंदो अस्पताल क्षेत्र की पुलिस चौकी पर भी लेनदेन की शिकायत पुलिस के अधिकारियों तक पहुंची थी। इसके बाद चौकी हटवा दी गई और पुलिसकर्मियों को सड़क पर ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों का मूल्यांकन

सीपी संतोष सिंह ने एसीपी और थाना प्रभारियों के लिए रेटिंग सिस्टम लागू किया, जिसके तहत बेहतर कार्रवाई पर हर माह ग्रेड दिया जाता है। सोमवार को पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी सूची में खजराना एसीपी कुंदन मंडलोई को पहला स्थान, विजय नगर को दूसरा और गांधी नगर को तीसरा स्थान मिला। पिछले माह पहले स्थान पर रही रूबिना मिजवानी इस बार सीधे नौवें स्थान पर पहुंच गईं। वहीं, जोन-4 के सराफा को सबसे अंतिम स्थान मिला। थाना प्रभारियों की रेटिंग में भी इसी जोन के पंढरीनाथ थाने को सबसे आखिरी स्थान मिला है।

मोबाइल लुटेरे बदमाशों को पकड़ा

इंदौर। जूनी इंदौर क्षेत्र में बीती रात पुलिस और राहगीरों की मुस्तैदी से दो शातिर लुटेरे पुलिस के हत्थे चढ़ गए। अग्रसेन चौराहा स्थित एसीपी ऑफिस के समीप कोचिंग से लौट रहे एक छात्र का मोबाइल छीनकर भाग रहे बदमाशों को पीछा कर पकड़ लिया गया। पुलिस अब पकड़े गए आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में कड़ी पूछताछ कर रही है। फरियादी कुशल श्रीवास्तव मूल निवासी रायबरेली, यूपी है वह वर्तमान में बिचौली मर्दाना क्षेत्र में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, कल रात करीब 11 बजे कोचिंग के बाद मोबाइल पर मैच की कमेंट्री सुनते हुए जा रहे थे। इसी दौरान एक पान दुकान के पास पैदल आए बदमाश ने उनके हाथ से मोबाइल झपटा और पास ही खड़े अपने साथी के स्कूटर पर बैठकर नौलखा की ओर भागने लगा।छात्र के शोर मचाने पर वहां तैनात पुलिसकर्मियों, राहगीरों और उनके साथी अरमान मलिक ने तत्काल पीछा शुरू किया। घेराबंदी कर दोनों बदमाशों, युवराज परिहार बागली, निवासी देवास और आयुष ठाकुर निवासी आष्टा हाल मुकाम भंवरकुआ को धरदबोचा गया। आरोपियों के पास से लूटा गया फोन बरामद कर लिया गया है और उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

आपदा पूर्व तैयारी में इंदौर अग्रणी 250 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण लिया

हीट स्ट्रोक से बचाव के उपायों पर भी प्रशिक्षण दिया गया

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ के सभागार में 'भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम' के अंतर्गत एक दिवसीय अवेयरनेस एंड केपिसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनजागरूकता, जनसहभागिता एवं प्रशासनिक समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। यह कार्यक्रम कलेक्टर के दिशा निर्देश के अनुसार आयोजित किया गया। कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों एवं संस्थानों से आए 250 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा संवादात्मक सत्रों के माध्यम से उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्लाटून कमांडर अश्विन चौधरी, सुमित खरे एवं दीपेश पाटीदार द्वारा रेल दुर्घटना, सर्पदंश, भूकंप, अग्निकांड तथा हाल ही में इंदौर में घटित ईवी घटनाओं से संबंधित सावधानियों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए लू एवं हीट स्ट्रोक से बचाव के उपायों पर विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन उपकरणों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया गया, जिससे उनकी व्यावहारिक समझ को सुदृढ़ किया गया। यह आयोजन केवल शैक्षणिक गतिविधि तक सीमित न रहकर सामाजिक सरोकारों से जुड़ा एक व्यापक जनअभियान सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन डिस्ट्रिक कमांडेंट सुमंत जैन के मार्गदर्शन में किया गया। वहीं जिला आपदा प्रबंधन प्रभारी चरणजीत सिंह हुड्डा (डिप्टी कलेक्टर) की उपस्थिति ने कार्यक्रम को प्रशासनिक विश्वसनीयता प्रदान की।

बेंगलुरु भेजा किराने का सामान, रास्ते से गायब, केस दर्ज कराया

माल नहीं पहुंचने की पुष्टि, इसके बाद थाने में शिकायत

इंदौर। ट्रांसपोर्ट से भेजे गए माल के गबन का मामला सामने आया। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में पालदा से बेंगलुरु भेजा गया सामान तय समय पर नहीं पहुंचा। ड्राइवर पहले बहाने बनाता रहा, फिर मोबाइल बंद कर गायब हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक आगरा निवासी यतिन गंभीर ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि पालदा स्थित वैदांत ऑर्गेनिक्स से 19 मार्च 2026 को ट्रक में माल लोड कर बेंगलुरु भेजा गया। यह माल बिग बास्केट (पपार्स ट्रेडिंग कंपनी) को 22 मार्च तक पहुंचना तय था। ट्रक चालक देवेंद्र कुमार अहिरवार (निवासी अशोकनगर) ने तय समय पर डिलीवरी नहीं की। पूछने पर उसने एक दिन की देरी बताते हुए रास्ते में होने की बात कही, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। जब लगातार संपर्क नहीं हो सका तो मैनेजर दीपक ने बेंगलुरु की कंपनी और एजेंट से बात की। वहां माल नहीं पहुंचने की पुष्टि हुई, जिसके बाद भंवरकुआं थाने में शिकायत की गई। पुलिस बोली, जल्द पकड़ेंगे आरोपी पुलिस ने आरोपी ड्राइवर के खिलाफ गबन का केस दर्ज कर लिया है।

एमडी ड्रग्स के साथ 3 गिरफ्तार एक लाख की एमडी, कार जब्त

कार की पिछली सीट के पास 10 ग्राम ड्रग्स बरामद हुई

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार में एमडी ड्रग्स लेकर जा रहे थे, जिसे उन्होंने पिछली सीट के पास छिपा रखा था। दो मोबाइल फोन भी जब्त किए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, शहर में ड्रग्स के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस टीम बीती रात इलाके में गश्त और रूटीन चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध कार नजर आई, जिसे रोककर पूछताछ की गई। कार में सवार तीनों युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए और अलग-अलग बातें करने लगे। शक होने पर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की और कार की तलाशी ली।

सीट में छिपाई थी ड्रग्स- तलाशी के दौरान कार की पिछली सीट के पास 10 ग्राम ड्रग्स बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने अपने नाम अनीश पठान (निवासी चंदन नगर), जुबेर खान (निवासी चंद्रभागा) और रेहान मंसूरी (निवासी धार रोड) बताए हैं।

5 लाख का माल बरामद

पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 1 लाख रुपए कीमत की स्ख ड्रग्स और 4 लाख रुपए कीमत की कार जब्त की है। कुल जब्ती करीब 5 लाख रुपए की बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ड्रग्स कहां से लाई गई थी और किन लोगों तक सप्लाई की जानी थी। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में ड्रग्स सप्लाई के बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

कार से शराब तस्करी, एक धराया, पुलिस ने अवैध देसी शराब पकड़ी

इस अवैध कारोबार के पीछे बड़े नेटवर्क की आशंका

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब का परिवहन कर रहे एक कार चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से भारी मात्रा में देसी शराब और बियर बरामद की गई है, जिसे वह खपाने की फिराक में था। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार और शराब को जब्त कर लिया है। एसीपी पराग सैनी ने बताया कि लसूड़िया पुलिस को सटीक सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति अपनी कार में अवैध शराब भरकर किसी को सप्लाई देने के लिए कैलोद हाला क्षेत्र की ओर निकला है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने तत्काल एक विशेष टीम गठित कर कैलोद हाला की ओर रवाना की। मौके पर पहुँचते ही पुलिस को मिली सूचना, हुलिए और नंबर की कार दिखाई दी, जिसे घेराबंदी कर रोक लिया गया। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली, तो गाड़ी के अंदर शराब का जखीरा देखकर टीम भी हैरान रह गई। कार के अंदर से 8 पेटी सफेद देशी शराब के बॉक्स, 3 पेटी बियर केन के बॉक्स समेत कुल 108 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। जब चालक से शराब के परिवहन से संबंधित लाइसेंस या परमिट माँगा गया, तो वह कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस पूछताछ में कार चालक ने अपना नाम शुभम पिता मेहरबान सिंह चौधरी, निवासी खाकरोड, सांवेर होना बताया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। लसूड़िया पुलिस अब आरोपी शुभम से कड़ाई से पूछताछ कर रही है कि वह यह शराब कहाँ से लाया था और इंदौर में किसे सप्लाई करने जा रहा था। पुलिस को आशंका है कि इस अवैध कारोबार के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है। आरोपी के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड्स और अन्य संपर्कों की भी जांच की जा रही है।

संपादकीय

नक्सलियों का सफाया!

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को संसद में जिस दमदार तरीके से देश में नक्सलवाद की समाप्ति का ऐलान किया, उसके लिए केन्द्र व राज्य सरकार, सभी सुरक्षा बल, आत्मसमर्पित नक्सलवादी, सरकार की सुस्पष्ट रणनीति और समुचित पुनर्वास नीति बधाई की पात्र है। बेशक नक्सलियों के खात्मे में कुछ ज्यादतियां भी हुई होंगी, लेकिन व्यापक संदर्भ में यह स्वागतेय इसलिए है, क्योंकि हिंसा से कोई समस्या कभी हल नहीं हुई। यहां तक कि जिन देशों में बीसवीं सदी में रक्त क्रांतियां हुई, उन्हें भी या तो अपना रास्ता बदलना पड़ा या फिर इतने बदलाव करने पड़े कि वो क्रांति महज इतिहास की बात बनकर रह गई। लोकसभा में अपने डेढ़ घंटे के भाषण में अमित शाह ने कहा कि हमने 31 मार्च तक देश को नक्सल-मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था। इसे लगभग हासिल किया जा चुका है। उन्होंने चेतावनी के स्वर में कहा कि अब अगर कोई पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठाएगा तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। शाह ने कहा कि सालों से भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए आदिवासियों को बहकाया। अपने संबोधन में शाह ने नक्सलवाद को बढ़ावा देने के लिए विपक्षी कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया। शाह ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी के कार्यकाल में नक्सलवाड़ी से शुरू हुआ आंदोलन 12 राज्यों, 17 प्रतिशत भू-भाग 10 प्रतिशत से ज्यादा आबादी में फैल गया। राहुल गांधी ने नक्सल समर्थकों के साथ मंच साझा किया था और 'प्रो-हिडमा' नारे का समर्थन किया था। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने 60 साल के दौरान आदिवासियों तक घर, स्कूल, मोबाइल टॉवर नहीं पहुंचने दिया और अब हिसाब मांग रहे हैं। अपने गिरेबान में झांककर देखिए। नक्सलवाद की जड़ें वैचारिक हैं। यह गरीबी और विकास से जुड़ी नहीं हैं। शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बस्तर से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो चुका है। शाह ने उन अर्बन नक्सलियों से भी सवाल किया कि वे कहते हैं कि नक्सली सामाजिक न्याय के लिए लड़ रहे हैं। ऐसा लगता है कि आपकी मानवता सिर्फ संविधान का उल्लंघन करने वालों और हथियार उठाने वालों के लिए हैं। यह उन आम नागरिकों तक नहीं पहुंचती, जो इन्हीं हथियारों से मारे जा रहे हैं। शाह ने पिछले दो साल में देश में 706 नक्सली मारे गए, 2218 गिरफ्तार और 4839 ने सरेंडर किया। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलियों की तुलना भगत सिंह और बिरसा मुंडा से नहीं कर सकते। नक्सलियों को लोकतंत्र पर कोई भरोसा नहीं है। अपने भाषण में अमित शाह ने नक्सलवाद पर आखिरी चोट करने को लेकर सरकार की रणनीति और संकल्प का खुलासा भी किया। नई रणनीति के तहत केन्द्र और राज्य सरकारों की सशस्त्र पुलिस तथा सरेंडर नक्सलियों को साथ लेकर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। नक्सलियों के गुप्त ठिकानों को ध्वस्त किया गया। उनके आर्थिक स्रोतों पर भी शिंकजा कस दिया गया। सरकार ने साफ कह दिया कि या तो नक्सली सरेंडर करें या फिर मरने के लिए तैयार रहें। इस काम में सुरक्षा बलों को उन लोगों का साथ भी मिला, जो ग्रामीण आदिवासी नक्सलियों के अत्याचार और दहशत से परेशान थे। हकीकत में वो नक्सली और सुरक्षा बलों के दबाव के बीच पिस रहे थे। अब नक्सलियों के आतंक से मुक्ति मिलने के बाद वो खुली हवा में सांस लेने लगे हैं। बेशक सरकार ने सशस्त्र नक्सलियों का सफाया कर दिया है, लेकिन अर्बन नक्सलियों पर शिंकजा कसना भी जरूरी है। निःसंदेह नक्सलवाद एक विचारधारा है और विचार कभी नहीं मरता, लेकिन उसकी धार और असर को कुंद तो किया ही जा सकता है। अगला लक्ष्य यही होना चाहिए।

पश्चिम एशिया की उथल-पुथल में भारत की संतुलित कूटनीति

नजरिया
अंशुमान
लेखक संघर्ष टीवी से सम्बद्ध पत्रकार हैं।

फरवरी 2026 में शुरू हुए संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच टकराव के अचानक उभरने से, जिसकी शुरुआत अमेरिका- इजरायल द्वारा ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमलों से हुई और जिसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे पर मिसाइल हमले किए। इस पूरे घटनाक्रम ने पूरे पश्चिम एशिया को एक नए अस्थिर दौर में धकेल दिया है। तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाला जहाजी व्यापार बार-बार बाधित हो रहा है, और एक बार फिर यह क्षेत्र दुनिया को यह याद दिला रहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोरने की इसकी क्षमता कितनी गहरी है।

इन सभी तनावों के बीच इस क्षेत्र में भारत के हित बहुत बड़े हैं। सबसे अहम है तेल और ऊर्जा पर उसकी निर्भरता, उसके बाद खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला पैसा, और फिर लगातार बढ़ते कूटनीतिक रिश्ते। ऐसे हालात में भारत की विदेश नीति की मजबूती और उसका संतुलन यह दोनों ही भारत की कठिन परीक्षा जैसे है। ध्यान देने वाली बात यह है कि पिछले कई दशकों से भारत एक ऐसी नीति पर चल रहा है, जिसे आसान भाषा में कहें तो संतुलन बनाकर सबके साथ रिश्ते रखना कहा जा सकता है। यानी भारत ने खुद को किसी एक गुट या देश तक सीमित नहीं किया, बल्कि एक साथ ईरान, खाड़ी देशों, इजरायल और अमेरिका सभी से अच्छे संबंध बनाए रखे हैं। जियोपॉलिटिक्स में अक्सर कहा जाता है कि ऐसा संतुलन बनाए रखना मुश्किल होता है, लेकिन जब संकट आता है तो यही नीति सबसे ज्यादा काम आती है। अभी के टकराव में भी भारत ने बहुत सोच-समझकर कदम उठाए हैं जैसे भारत ने सबसे शांति बनाए रखने की अपील की, अपने आर्थिक हितों का ध्यान रखा और सभी पक्षों से बातचीत जारी रखी। इस तरह भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और लंबे समय के हितों दोनों को सुरक्षित रखने की कोशिश की है।

ईरान-अमेरिका टकराव से पैदा हुए इस संकट का सबसे पहला और सीधा असर आर्थिक मोर्चे पर दिखाई देता है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का करीब 88 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, इसलिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी भी तरह की रुकावट का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल गुजरता है। जब इस रास्ते से तेल ले जाने वाले टैंकरों की आवाजाही कम होती है या खतरे में पड़ती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने लगती हैं। इसका सीधा असर भारत के आयात बिल पर पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ने, रुपये पर दबाव आने और आम लोगों की जेब पर असर पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। पेट्रोल-डीजल के दाम से लेकर रोजमर्रा की चीजों तक, हर स्तर पर इसका असर महसूस किया जा सकता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने इस तरह के संकट से निपटने के लिए तैयारी की है। ऊर्जा स्रोतों को अलग-अलग देशों में फैलाने यानी डायवर्सिफिकेशन और रणनीतिक तेल भंडार बनाने पर खास जोर दिया गया है। यही वजह है कि मौजूदा संकट के बावजूद भारत पूरी तरह से असहज स्थिति में नहीं है। देश के पास लगभग दो महीने की जरूरत के बराबर पेट्रोलियम भंडार मौजूद है, जो आपात स्थिति में काम आता है। इसके अलावा, भारत ने रूस, अमेरिका और अन्य देशों से भी तेल की आपूर्ति बढ़ाकर अपने विकल्प खुले रखे हैं। इस रणनीति की वजह से अचानक पैदा हुए इस असंतुलन को काफी हद तक संभालने में मदद मिली है और तत्काल आपात जैसी स्थिति से बचा हुआ है।

इस पूरे घटनाक्रम से एक बात बिल्कुल साफ हो जाती है कि आज के दौर में ऊर्जा सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी और प्राथमिक आवश्यकता बन चुकी है। खासकर भारत जैसे देश के लिए, जिसकी आर्थिक विकास की रफ्तार काफी हद तक बाहर से आने वाले तेल और ईंधन पर निर्भर करती है, ऐसे संकट भविष्य में भी चुनौती बने रहेंगे। इसलिए लंबे समय की ठोस योजना, अलग-अलग देशों से ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना और पर्याप्त तेल भंडार तैयार रखना ही उपाय है और इन्हीं उपायों के सहारे ऐसी आपात स्थितियों का असर कम किया जा सकता है और अर्थव्यवस्था को स्थिर रखा जा सकता है।

भारत और ईरान के बीच आर्थिक संबंध इस मुश्किल समय में भी समझदारी और व्यावहारिक तरीके से बनाए रखे गए हैं। भले ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते रुपये के बदले तेल का पुराना व्यापार बंद हो गया हो, लेकिन भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता निकालते हुए ह्यूमैनेटेरियन विंडो के तहत रियायती दरों पर ईरान से एलपीजी की आपूर्ति जारी रखी। करीब 5 लाख टन एलपीजी की यह आपूर्ति भारत के लिए बेहद अहम साबित हुई, क्योंकि इससे अचानक उपजे संकट को टालने में मदद मिली। इस तरह की रणनीति ने भारत को बिना किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय दबाव में आए हुए अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक हिस्सा यानी लगभग 5 प्रतिशत ईरान से बनाए रखने में मदद दी। भारत की इस रणनीति से दिखता है कि कठिन हालात में भी अगर नीति व्यावहारिक हो, तो जरूरी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

यही नहीं वैश्विक तनावों के बीच भारत ने अपने दूसरे विकल्पों को भी लगातार मजबूत किया है। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ ग्रीन हाइड्रोजन और अन्य ऊर्जा क्षेत्रों में करीब 10 अरब डॉलर का निवेश इस दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे न सिर्फ ऊर्जा के नए स्रोत और रास्ते खुल रहे हैं, बल्कि भारत एक भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदार के रूप में भी उभर रहा है। साफ है कि इससे आने वाले समय में भारत की ऊर्जा सुरक्षा और ज्यादा मजबूत होगी। इस संकट का एक और बेहद महत्वपूर्ण पहलू खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और उनके हितों

से जुड़ा है। पश्चिम एशिया में लगभग एक करोड़ भारतीय काम करते हैं, और उनके द्वारा भेजा गया पैसा यानी रेमिटेंस भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम है। ऐसे में क्षेत्रीय संघर्ष का कोई भी असर वह चाहे हवाई सेवाओं में बाधा हो या फिर आर्थिक गतिविधियों में कमी हो या बुनियादी ढांचे पर खतरा सीधे इन भारतीय प्रवासियों के जीवन पर पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए, जैसे ही हालात बिगड़ने लगे, भारत के विदेश मंत्रालय ने तेजी से कदम उठाए। संभावित प्रभावित क्षेत्रों से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की योजनाएं तैयार की गई और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था की गई। यह दिखाता है कि भारत के लिए यह मुद्दा सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि अपने नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ी एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। भारत-ईरान संबंध इस पूरे परिदृश्य में एक संवेदनशील लेकिन महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। पश्चिमी प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद, भारत ने हमेशा ईरान को ऊर्जा सुरक्षा और मध्य एशिया तक पहुंच के लिहाज से एक अहम साझेदार माना है। चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाएं इसी दीर्घकालिक सोच का हिस्सा हैं। मौजूदा संकट के बावजूद भारत ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि ईरान के साथ सहयोग पूरी तरह प्रभावित न हो। दूसरी ओर, भारत संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों के साथ अपने आर्थिक और निवेश संबंधों को भी तेजी से मजबूत कर रहा है। इन समानांतर रिश्तों को संतुलित रखना आसान नहीं है, लेकिन यही संतुलन भारत को कूटनीतिक लचीलापन और विकल्प देता है। रणनीतिक दृष्टि से यह संकट क्षेत्रीय संपर्क (connectivity) परियोजनाओं के महत्व को भी रेखांकित करता है। चाबहार बंदरगाह, जो अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) से जुड़ा है, भारत के लिए मध्य एशिया और उससे आगे के बाजारों तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके साथ ही खाड़ी देशों और इजरायल के साथ उभरती आर्थिक और सुरक्षा साझेदारियां भारत की बदलती क्षेत्रीय भूमिका को भी दर्शाती हैं। इन सबके बीच में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इन सभी पहलुओं को कैसे एक-दूसरे के पूरक के रूप में विकसित किया जाए, न कि प्रतिस्पर्धी ध्रुवों के रूप में।

कूटनीतिक स्तर पर भारत ने सावधानीपूर्ण तटस्थता का रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने लगातार संयम, संवाद और तनाव कम करने की अपील की है। वैश्विक स्तर पर यह रुख भारत को सभी पक्षों के साथ ना सिर्फ जोड़े रखता बल्कि उसे किसी एक पक्ष के समर्थक के रूप में देखे जाने से बचाता है। वर्तमान समय में जब जहां प्रतिस्पर्धा और अविश्वास गहरे हो रहे हैं तब यह संतुलित नीति भारत की विश्वसनीयता को बढ़ाती है। दूरगामी और बहुआयामी परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत की पश्चिम एशिया नीति अब परिपक्व होती दिखाई दे रही है। यह क्षेत्र अब केवल ऊर्जा आपूर्ति का स्रोत नहीं रहा, बल्कि एक जटिल रणनीतिक मंच बन चुका है, जहां आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा हित आपस में गहराई से जुड़े हैं। मौजूदा हालात या संकट से साफ तौर पर देखा जा सकता है कि अलग-अलग देशों के साथ रिश्ते बनाकर और परिस्थितियों के हिसाब से अपनी कूटनीति को बदलकर चलना ही सबसे बेहतर तरीका है।

आखिर में, अमेरिका-ईरान का टकराव फिर से यह दिखाता है कि पश्चिम एशिया की अस्थिरता दुनिया पर असर डालती रहेगी। भारत के लिए असली चुनौती इससे पूरी तरह बचना नहीं है, क्योंकि हकीकत में यह संभव नहीं है बल्कि इसे समझदारी, संतुलन और साफ रणनीति के साथ संभालना ही समझदारी है। भारत की अब तक की प्रतिक्रिया यह दिखाती है कि भारत समझता है कि आज की दुनिया में प्रभाव केवल किसी का पक्ष चुनने से नहीं, बल्कि सभी पक्षों से संवाद बनाए रखने की रणनीति से आता है। जियोपॉलिटिक्ल दृष्टिकोण में भारत का यह संतुलित रवैय किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि एक उभरती हुई शक्ति की रणनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है। चुनौतियां निश्चित रूप से मौजूद हैं, लेकिन भारत जैसे तेज से उभरते राष्ट्र के लिए संतुलन केवल अस्तित्व की रणनीति नहीं बल्कि प्रभाव और नेतृत्व की असली पहचान बन चुका है।

डिजिटल युग में जनगणना : बदलाव की बुनियाद

मुद्दा
ममता कुशवाहा
लेखक शिक्षक हैं।

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को समझने का एक सशक्त माध्यम है। वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना, जो विभिन्न कारणों से विलंबित रही, अब एक नए स्वरूप में आरंभ होने जा रही है। यह जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक है, न केवल इसलिए कि यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, बल्कि इसलिए भी कि इसमें पहली बार जातीय आंकड़ों को व्यवस्थित रूप से संकलित किया जाएगा। यह पहल भारत के प्रशासनिक ढांचे, नीति-निर्माण और सामाजिक समझ को एक नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और सटीकता में निहित है। पारंपरिक कागज-आधारित प्रणाली में जहां आंकड़ों के संग्रह, संकलन और विश्लेषण में वर्षों लग जाते थे, वहीं डिजिटल माध्यम इस पूरी प्रक्रिया को कहीं अधिक त्वरित और त्रुटिहीन बना सकता है। मोबाइल एप, वेब पोर्टल और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपकरणों के माध्यम से डेटा सीधे केंद्रीय सर्वर पर पहुंचेगा, जिससे मानवीय भूलों की संभावना न्यूनतम हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह प्रणाली पारदर्शिता को भी बढ़ाएगी और डेटा के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करेगी।

इस जनगणना की एक विशेषता यह भी है कि नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। यह न केवल नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रशासनिक बोझ को भी कम करेगा। हालांकि, इसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। लोगों को अपनी जानकारी पूरी ईमानदारी और सावधानी से भरनी होगी, क्योंकि यह डेटा न केवल वर्तमान नीतियों के निर्माण में सहायक होगा, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी बनेगा। जनगणना आयुक्त द्वारा दी गई गोपनीयता की गारंटी इस प्रक्रिया में विश्वास को मजबूत करती है, जिससे लोग बिना किसी भय के अपनी जानकारी साझा कर सकेंगे।

जनगणना को दो चरणों में पूरा करने का निर्णय भी एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पहले चरण में घरों की सूचीकरण और आवास से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पहलुओं का विवरण लिया जाएगा। यह विभाजन न केवल प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाएगा, बल्कि डेटा के विश्लेषण को भी अधिक सटीक और उपयोगी बनाएगा। इससे सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास।

इस जनगणना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू जातीय आंकड़ों का संकलन है। स्वतंत्र भारत में यह पहली बार होगा जब जातियों का विस्तृत विवरण एकत्र किया जाएगा। इससे देश की सामाजिक संरचना की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी, जो अब तक केवल अनुमान और अधूरी जानकारी पर आधारित रही है। वर्ष 1931 के बाद से जातिगत जनगणना नहीं हुई है, इसलिए वर्तमान में विभिन्न जातीय समूहों के संख्याबल और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में स्पष्ट और प्रमाणिक आंकड़ों का अभाव है। ऐसे में यह जनगणना कई मिथकों और धारणाओं को तोड़ने का कार्य कर सकती है।

हालांकि, जातीय जनगणना के साथ कुछ चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी आशंका यह है कि इन आंकड़ों का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जा सकता है। भारत में पहले से ही जाति आधारित राजनीति का प्रभाव देखा गया है, और यदि इन आंकड़ों का दुरुपयोग हुआ, तो यह सामाजिक विभाजन को और गहरा कर सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार इन आंकड़ों की व्याख्या कर सकते हैं, जिससे समाज में वैमनस्य और असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकार इस दिशा में ठोस नीतिगत उपाय करे, ताकि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग केवल विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए ही किया जाए।

जनगणना का मूल उद्देश्य देश की जनसंख्या की संरचना, उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझना है, ताकि प्रभावी नीतियां बनाई जा सकें। यह किसी भी प्रकार के संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन नहीं होना चाहिए। यदि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग सही दिशा में किया जाए, तो यह देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उदाहरण के लिए, शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े वर्गों की पहचान कर उन्हें विशेष सहायता प्रदान की जा सकती है, स्वास्थ्य सेवाओं को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाया जा सकता है और रोजगार के अवसरों को बेहतर तरीके से वितरित किया जा सकता है। डिजिटल जनगणना के माध्यम से डेटा की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ नीति-निर्माण में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा। यह सरकार को वास्तविक समय में निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा और योजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करने में भी सहायता करेगा। इसके अतिरिक्त, यह निजी क्षेत्र और शोधकर्ताओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है, जो इन आंकड़ों के आधार पर सामाजिक और आर्थिक अध्ययन कर सकेंगे।

डिजिटल जनगणना भारत के प्रशासनिक और सामाजिक ढांचे में एक क्रांतिकारी परिवर्तन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। यह केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश की वास्तविक स्थिति को समझने और उसे सुधारने का एक सशक्त माध्यम है। हालांकि, इसके साथ जुड़ी चुनौतियों और संभावित जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विशेष रूप से जातीय आंकड़ों के संदर्भ में सावधानी और संवेदनशीलता की आवश्यकता है, ताकि यह पहल समाज को जोड़ने का कार्य करे, न कि विभाजन का। इस दिशा में सरकार, प्रशासन और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे इस प्रक्रिया को सफल बनाएं और इसके उद्देश्यों को सही दिशा में ले जाएं। यदि ऐसा होता है, तो यह जनगणना न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करेगी, बल्कि भविष्य के भारत के निर्माण में भी एक मजबूत आधारशिला साबित होगी।

नए युवा और बदलती कैरियर संभावनाएँ

सामयिक
संध्या राजपुरोहित
लेखक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

आज का समय अवसरों, संभावनाओं और प्रतिस्पर्धा का समय है। बदलती तकनीक, वैश्वीकरण और नई आर्थिक संरचनाओं ने करियर के पारंपरिक ढांचे को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। एक समय था जब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी को ही सफलता का पर्याय माना जाता था, लेकिन आज डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल मीडिया, डिजाइन, खेल, उद्यमिता और अनेक कौशल आधारित क्षेत्रों में भी उज्ज्वल भविष्य के द्वार खुले हैं। यह विविधता जहां एक ओर युवाओं को नए अवसर प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर उनके सामने सही चुनाव की चुनौती भी खड़ी करती है।

भारत का वर्तमान जनसांख्यिकीय परिदृश्य इस चर्चा को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है और हर वर्ष लगभग 1.2 करोड़ युवा कार्यबल में प्रवेश करते हैं। यह स्थिति भारत को एक बड़ी संभावित शक्ति प्रदान करती है, जिसे 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' कहा जाता है। किन्तु यदि इस युवा शक्ति को उचित दिशा, कौशल और अवसर नहीं मिले, तो यही संभावना एक चुनौती में परिवर्तित हो सकती है।

यही वह बिंदु है जहां कैरियर चयन और कौशल विकास के बीच का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। विभिन्न रिपोर्ट्स यह संकेत करती हैं कि देश में रोजगार की समस्या से अधिक 'रोजगार योग्य कौशल' की कमी एक बड़ी चुनौती है। आज भी लगभग आधे युवा ऐसे हैं जो उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप पूरी तरह तैयार नहीं हैं। कई अध्ययन बताते हैं कि केवल लगभग 50 प्रतिशत ग्रेजुएट ही वास्तव में जॉब-रेडी माने जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद बड़ी संख्या में युवा रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताओं से वंचित रह जाते हैं।

यह स्थिति शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई को भी उजागर करती है। देश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, फिर भी बेरोजगारी के आंकड़ों में बड़ी हिस्सेदारी शिक्षित युवाओं की ही दिखाई देती है। लगभग 65 से 67 प्रतिशत बेरोजगार युवाओं का ग्रेजुएट होना इस तथ्य को स्पष्ट करता है कि केवल डिग्री हासिल करना सफलता की गारंटी नहीं है। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली अभी भी अधिकतर सैद्धांतिक ज्ञान पर आधारित है, जबकि उद्योग और समाज को व्यवहारिक कौशल, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता रखने वाले युवाओं की आवश्यकता है।

कौशल अंतर या 'स्किल गैप' भी इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। देश में औपचारिक रूप से प्रशिक्षित युवाओं का प्रतिशत अभी भी बहुत कम है, जो लगभग 4 से 5 प्रतिशत के आसपास माना जाता है। वहीं, नई तकनीकी क्षेत्रों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डिजिटल तकनीक में कुशल युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उस अनुपात में प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध नहीं है। यह अंतर युवाओं के लिए अवसर भी है और चुनौती भी, क्योंकि जो इस दिशा में स्वयं को तैयार करेगा, वही भविष्य में आगे बढ़ेगा।

इसके साथ ही रोजगार की गुणवत्ता भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभर रही है। बड़ी संख्या में युवा अपनी योग्यता से कम स्तर के कार्य करने के लिए मजबूर हैं, जिससे उनमें असंतोष और अस्थिरता की भावना बढ़ती है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी प्रभाव डालती है।

सही निर्णय के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी अपने भीतर झांकें, अपनी रुचियों और क्षमताओं को समझें और विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में ठोस जानकारी प्राप्त करें। आज सूचना के अनेक स्रोत उपलब्ध हैं, लेकिन सही और प्रामाणिक जानकारी का चयन करना भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही शिक्षकों, अभिभावकों और कैरियर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेना निर्णय को अधिक सुदृढ़ बनाता है।

इस प्रक्रिया में परिवार और विद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर अपने सपनों का बोझ न डालें, बल्कि उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। वहीं शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि वे विद्यार्थियों के मार्गदर्शक बनकर उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए तैयार करते हैं। एक सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास विकसित करता है और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

आज का समय निरंतर सीखने का समय है। कैरियर अब एक स्थिर विकल्प नहीं, बल्कि एक गतिशील यात्रा बन चुका है, जिसमें समय-समय पर नए कौशल सीखना, स्वयं को अपडेट करना और बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलना आवश्यक है। यही लचीलापन और सीखने की प्रवृत्ति व्यक्ति को दीर्घकालिक सफलता की ओर ले जाती है। अंततः यह स्पष्ट है कि कैरियर का सही चुनाव केवल एक निर्णय नहीं, बल्कि जीवन की दिशा तय करने वाली प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है जब उसमें आत्मविश्वास, सही जानकारी, कौशल विकास और स्पष्ट लक्ष्य का समन्वय हो। आज के विद्यार्थी यदि इन आधारों को समझकर अपने कैरियर की दिशा तय करते हैं, तो वे न केवल अपने लिए एक सफल भविष्य का निर्माण करेंगे, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

याद रखना होगा कि कैरियर का चुनाव भीड़ का अनुसरण नहीं, बल्कि अपनी पहचान को समझते हुए अपनी राह बनाने की प्रक्रिया है। सही कैरियर वही है, जहां रुचि, क्षमता और लक्ष्य एक साथ मिलकर जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मूर्खता का शिखर छूने का मौसम

मूर्ख दिवस विशेष
केदार शर्मा
लेखक व्यंग्यकार हैं।

अंततः मूर्ख की ही विजय होती है बुद्धिमान कितने भी बुद्धि के घोड़े दौड़ा ले, समझदार कितनी भी टंगड़ी अड़ा ले, मूर्ख और उसकी मूर्खता को मात देना इतना आसान काम नहीं है।

यह किसी से छुपा नहीं है की मनुष्य जाति ने मूर्खता के क्षेत्र में जो उत्तरोत्तर प्रगति की है, वह संतोष जनक भले ही हो, लेकिन पर्याप्त भी नहीं है। इसलिए उठो, चलो और बढ़ो जब तक की मूर्खता के शिखर पर नहीं पहुंच जाओ, तब तक रुको मत। मूर्खता की इस दौड़ में हमारे पास खोने को कुछ नहीं है, सिवाय मूर्खता के। पाने के लिए मूर्खों का संसार आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

बड़े-बूढ़े सदा कहते आए हैं.. 'जो सुख चाहे जीव का, तो मूर्ख दिख कर रहे'। यदि मूर्ख दिखने में सफल हो गए तो आपको बॉस भी दो काम कम ही देगा। वह आपके हिस्से का काम कर्मनिष्ठ समझदारों के खाते में लिख देगा। कर्मनिष्ठ मूर्ख बनना नहीं चाहते इसीलिए तो दुःख पाते हैं। नीची गरदन कर काम पर काम रगड़े जाते हैं। जो मूर्ख दिखने में कामयाब हो जाते हैं उनको कर्मनिष्ठ बने रहने की आवश्यकता ही कहाँ रह जाती है? कौन जोखिम मोल ले काम सौंपकर?

हालाकि मूर्ख हर युग में रहे हैं। इस कलयुग में तो मूर्खों की फज़्ल है, उनका हर विचार सफल है और उनके हर काम में बरकत है। अब ज्ञानी से ज्ञानी उतने नहीं मिल रहे हैं कि ज्ञान की बातें करें। ज्ञानी तो बस टुकुर-टुकुर देख रहे हैं– यू.एन.ओ. की तरह। ज्ञानियों में एक तरह की अकड़ होती है, जो उनको जकड़ लेती है। कभी-कभी कलम भी चला लेते हैं पर बात कुछ बनती नहीं। अब तो मूर्ख से मूर्ख खूब मिलते हैं और सहज-सरल भाव से मिलते हैं। मिलने के बाद क्या होता है यह किसी से छुपा हुआ नहीं है।

'दे घूँसा दे लात' तो पुरानी बातें हो गई जी। वह तो कबीलों और आदिम झुंडों की लड़ाई थी, जो जर और जोरु के लिए सरदार आपस में लड़ते थे। अब मूर्ख अपडेट हो गए हैं। सरदार राष्ट्राध्यक्षों में बदल गए हैं। विकास की दौड़ में लाठियां और पत्थरों का स्थान मिसाइलों ने ले लिया है। अब किसी की निगाह तेल और गैस पर है, तो किसी की नजर खनिज धातुओं पर है। किसी की दृष्टि मिलने वाली सहायता को जामा पहनाकर महाभीख पाने की है, तो किसी की नीयत किसी की जमीन हथियाने की है। हर कोई मूर्खता के शिखर पर पहुँचने को उतावला और बावला बना हुआ है।

इन सबसे यही सिद्ध होता है कि मूर्खता के बल पर ही मानव, मानव का और राष्ट्र, राष्ट्र का पूरक बनकर अंधे-लंगड़े की कहानी जैसा सहकार दिखाने के स्थान पर अपने अहंकार को सुपर सोनिक गति से ऊंचाई पर ले जाने को आतुर है, यानी ऐसे महामानवों को यदि हम नोबेल जैसे पुरस्कारों से भले ही नहीं नवाज नहीं पाए हों, पर कम से कम मूर्खाधिपति का खिताब तो दे ही सकते हैं। हालाकि मूर्खों की सबसे बड़ी पहचान यही है कि वह कभी नहीं मान सकता कि वह महा मूर्ख है। यह नहीं मानना उनको दूसरों से विशिष्ट बनाता है।

मूर्खों को हम तीन तरह की श्रेणियां में विभाजित कर सकते हैं पहले जो दिखते हैं पर होते नहीं। दूसरे होते हैं पर दिखते नहीं। तीसरे होते भी हैं और दिखते भी हैं। यही विशुद्ध मूर्ख होते हैं। इनमें कुछ नए-नवेले तो कोई कामचलाऊ और कोई घाघ मूर्ख भी निकल आता है।

आज समझदार पर्यावरणविद् चेता रहे हैं, कि सब्जियों, फलों और अनाजों मे कीटनाशकों का प्रयोग करने वालों को मालामाल कर विजय मूर्खता को मत दिलाओ। वेक्सीन लगा-लगाकर सब्जियों और फलों को मत फुलाओ। वेक्सीन से दूध सोखकर श्वेतक्रांति की सुनामी मत लाओ। सांस लेने के लिए विशुद्ध हवा भले ही ना हो पर सड़क पर तेलचलित वाहनों की नदी बह रही है। जल प्रदूषण की उतनी चिंता नहीं।

केवल समझदारी के भरोसे यह सब संभव नहीं है। अंततः मूर्खता की ही विजय हो रही है। मूर्खमेव जयते का स्वर चारों दिशाओं से उद्घोषित हो रहा है।

मौसम तक हमें मूर्ख बना जाता है गर्मी में ठंड, ठंड में गर्मी का एहसास कराता रहता है। बरसात तो बारह महीनें, जब चाहे तब विक्षोभ और अलनीनों उठ-उठकर हमें अप्रैल फूल बना जाते है। अप्रेल फूल कोई वर्ष में एक बार मनाई जाने वाली औपचारिकता नहीं हे। इसके लिए एक दिवस कम है इस पूरा अप्रेल निर्धारित होना चाहिए। अति मूर्खाकांक्षी लोग चाहें तो इसे अपने पूरे जीवन का अंग बना सकते हैं। ग्यारह माह की प्रतीक्षा के बाद मूर्ख दिवस फिर आएगा। आशा है तक तक हम मूर्खता के और भी ऊँचे कीर्तिमान स्थापित करेंगे आखिर यह अप्रेल फूल बनना एक लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है।

हंसी-ठिठोली का वैश्विक उत्सव है मूर्ख दिवस

'मूर्ख दिवस' केवल आम लोगों तक ही सीमित नहीं है बल्कि कई प्रसिद्ध ब्रांड, मीडिया हाउस और सरकारी संस्थाएं भी इस अवसर पर मजेदार अफवाहें या रोचक प्रचार के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करती रही हैं। कई बार बड़े समाचार पत्र और ऑनलाइन पोर्टल्स इस दिन ऐसी खबरें प्रकाशित कर देते हैं, जिन पर लोग सहज रूप से विश्वास कर बैठते हैं लेकिन अंत में पता चलता है कि वे महज 'अप्रैल फूल' मजाक का एक हिस्सा थी। इतिहास में कई बड़े-बड़े किस्से इस दिन से जुड़े हुए हैं। 1957 में ब्रिटेन के बीबीसी चैनल ने एक खबर चलाई कि स्विट्जरलैंड के किसान स्पेगेटी के पेड़ों से ताजा स्पेगेटी तोड़ रहे हैं। इस खबर को देखकर हजारों लोगों ने चैनल से संपर्क कर पूछा कि वे ऐसे पेड़ कहां से खरीद सकते हैं। इसी तरह 1996 में प्रसिद्ध फास्ट फूड चेन 'बर्गर किंग' ने घोषणा की कि उन्होंने विशेष रूप से बाएं हाथ वालों के लिए 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर बनाया है। इस खबर पर हजारों लोगों ने विश्वास कर लिया और कुछ ने तो यह भी पूछ लिया कि क्या उनके लिए 'राइट-हैंड व्हॉपर' बर्गर उपलब्ध है। तकनीकी और डिजिटल युग में भी यह परंपरा और तेजी से विकसित हुई है।

मूर्ख दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक पत्रकार हैं।

विश्वभर के लगभग सभी देशों में पहली अप्रैल का दिन 'फूल्स डे' अर्थात् 'मूर्ख दिवस' के रूप में ही मनाया जाता है। कोई छोटा हो या बड़ा, इस दिन हर किसी को जैसे हंसी-ठिठौली करने का बहाना मिल जाता है और लोग एक-दूसरे को मूर्ख बनाने की चेष्टा करते नजर आते हैं। ऐसी असत्य और मनघडंत कल्पनाओं को ही यथार्थ का रूप देकर, जिन पर कोई भी आसानी से विश्वास कर सके, किसी तरह का नुकसान पहुंचाए बिना लोग एक-दूसरे को मूर्ख बनाने का प्रयास करते हैं और प्रायः बहुत चतुर समझे जाने वाले व्यक्ति भी मूर्ख बन जाते हैं। शायद यही कारण है कि इस दिन चाहे कोई किसी का कितना ही विश्वासपात्र क्यों न हो, मस्तिष्क में यह बात विराजमान रहती है कि कहीं यह हमें मूर्ख तो नहीं बना रहा! कई बार होता यह भी है कि लोग कोशिश तो करते हैं दूसरों को मूर्ख बनाने की लेकिन इस कोशिश में खुद ही मूर्ख बन जाते हैं और जब ऐसा होता है तो वाकई बड़ा मनोरंजक माहौल बन जाता है। कभी-कभी तो इस दिन सैंकड़ों-हजारों की संख्या में भी लोग एक साथ 'मूर्ख' बनते देखे गए हैं।

'मूर्ख दिवस' केवल आम लोगों तक ही सीमित नहीं है बल्कि कई प्रसिद्ध ब्रांड, मीडिया हाउस और सरकारी संस्थाएं भी इस अवसर पर मजेदार अफवाहें या रोचक प्रचार के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करती रही हैं। कई बार बड़े समाचार पत्र और ऑनलाइन पोर्टल्स इस दिन ऐसी खबरें प्रकाशित कर देते हैं, जिन पर लोग सहज रूप से विश्वास कर बैठते हैं लेकिन अंत में पता चलता है कि वे महज 'अप्रैल फूल' मजाक का एक हिस्सा थी। इतिहास में कई बड़े-बड़े किस्से इस दिन से जुड़े हुए हैं। 1957 में ब्रिटेन के बीबीसी चैनल ने एक खबर चलाई कि स्विट्जरलैंड के किसान स्पेगेटी के पेड़ों से ताजा स्पेगेटी तोड़ रहे हैं। इस खबर को देखकर हजारों लोगों ने चैनल से संपर्क कर पूछा कि वे ऐसे पेड़ कहां से खरीद सकते हैं। इसी तरह 1996 में प्रसिद्ध फास्ट फूड चेन 'बर्गर किंग' ने घोषणा की कि उन्होंने विशेष रूप से बाएं हाथ वालों के लिए 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर बनाया है। इस खबर पर हजारों लोगों ने विश्वास कर लिया और कुछ ने तो यह भी पूछ लिया कि क्या उनके लिए 'राइट-हैंड व्हॉपर' बर्गर उपलब्ध है। तकनीकी और डिजिटल युग में भी यह परंपरा और तेजी से विकसित हुई है।

कभी-कभार इस अवसर पर ऐसे दिलचस्प मामले भी सामने आते रहे हैं, जब लोग इस दिन सच्ची खबर पर भरोसा नहीं करके भी 'अप्रैल फूल' बन गए और बाद में बहुत पछताए। ऐसा ही एक वाकया 2015 में न्यूजीलैंड में सामने आया था, जब वहां के एक बड़े अखबार 'न्यूजीलैंड हेराल्ड' में दुनिया की विख्यात कार निर्माता कम्पनी बीएमडब्ल्यू ने 'अप्रैल फूल्स डे स्पेशल ऑफर' का विज्ञापन दिया। विज्ञापन में कम्पनी की ओर से दावा किया गया कि जो भी व्यक्ति इस विज्ञापन के साथ छपे कूपन को लेकर इस दिन सबसे पहले कम्पनी के शोरूम पहुंचेगा, उसे उसकी किसी भी पुरानी कार के बदले बिल्कुल नई बीएमडब्ल्यू कार दी जाएगी। लोगों ने इस विज्ञापन को कार निर्माता कम्पनी का अप्रैल फूल बनाने का हथकंडा समझा। टियाना मार्श नामक एक महिला अपनी किस्मत आजमाने की सोचकर अपनी 15 वर्ष पुरानी कार लेकर कम्पनी के शोरूम पहुंच गई। शोरूम में पहुंचने वाली वह एकमात्र व्यक्ति थी और वहां पहुंचकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब उसे उसकी खटारा कार के बदले वाकई 50 हजार डॉलर वाली चमचमाती बीएमडब्ल्यू कार की चाबी कम्पनी द्वारा सौंप दी गई।

वैसे 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाए जाने का कारण यही माना जाता रहा है कि पुराने जमाने में चूंकि नए साल की शुरूआत 1 अप्रैल से ही होती थी, अतः लोग इस दिन को हंसी-खुशी गुजारना चाहते थे ताकि उनका पूरा साल हंसी-खुशी बीते। लोगों की इसी धारणा के चलते 1 अप्रैल को 'हास्य दिवस' के रूप में मनाने की परम्परा शुरू हुई थी लेकिन धीरे-धीरे लोगों का उत्साह इस दिवस के प्रति कम होने लगा तो कुछ लोगों ने इस दिन कृत्रिम हास्य के जरिये दूसरों को बेवकूफ बनाना शुरू कर दिया। लोगों को भी यह अंदाज इतना पसंद आया कि इस परम्परा ने धीरे-धीरे 'मूर्ख दिवस' का रूप ले लिया। 'अप्रैल फूल' बनाने की पश्चिमी देशों में शुरू हुई यह परम्परा भारतीय संस्कृति में कब और कैसे प्रवेश कर गई, पता ही नहीं चला लेकिन भले ही इस परम्परा पर पाश्चात्य संस्कृति का रंग बहुत गहरा चढ़ा है पर यदि हम इस परम्परा में निहित उद्देश्यों को गहराई में जाकर देखें तो गौरवशाली भारतीय संस्कृति के आधार पर भी यह परम्परा गलत नहीं ठहराई जा सकती क्योंकि आज की भागदौड़ भरी अस्त-व्यस्त सी जिन्दगी में व्यक्ति के पास जहां चैन से सांस लेने के लिए दो पल की भी फुर्सत नहीं है, वहीं इस दिवस के बहाने साल में सिर्फ एक दिन ही सही, व्यक्ति को खिलखिलाकर हंसने का मौका तो मिलता है।

'मूर्ख दिवस' मनाने की परम्परा की पृष्ठभूमि में संभवतः व्यस्त जिंदगी में मानव मन को कुछ पल का सुकून प्रदान करने की प्रवृति ही समायी है लेकिन इसके साथ-साथ इस मौके पर इस बात का ध्यान रखा जाना भी अत्यंत आवश्यक है कि 'मूर्ख दिवस' सभ्य मजाक के जरिये किसी को कुछ समय के लिए मूर्ख बनाकर मनोरंजन करने का दिन है। अप्रैल फूल के बहाने जानबूझकर किसी के साथ ऐसा कोई मजाक नहीं किया जाना चाहिए, जिससे उसकी भावनाओं को ठेस पहुंचे या उसका कोई अहित अथवा नुकसान हो। मूर्ख दिवस की आड़ में किसी से अपनी दुश्मनी निकालने या अपने किसी अपमान का बदला लेने की चेष्टा भी नहीं होनी चाहिए। यदि विशुद्ध भावना से शुद्ध हास्य के जरिये इस दिन किसी को मूर्ख बनाने की कोशिश होती है तो सभवतः किसी भी व्यक्ति को ऐसे मजाक का बुरा नहीं लगेगा।

शुद्ध हास्य वैसे भी तनाव से मुक्ति प्रदान करने के साथ-साथ मन में आपसी प्रेम भाव तथा भाईचारे की भावना का संचार भी करता है और शुद्ध हास्य से सराबोर माहौल और भी खुशनुमा बन जाता है। ऐसे में मूर्ख दिवस मनाने की प्रासंगिकता आज के तनाव व घुटन भरे माहौल में बहुत बढ़ जाती है। दोस्तों, परिचितों अथवा संबंधियों को एक अप्रैल के दिन कुछ समय के लिए ही सही, मूर्ख बनाकर अपना व दूसरों का स्वस्थ मनोरंजन करने में कोई हर्ज नहीं है, बशर्ते ऐसा करते समय शालीनता, शिष्टता और सभ्यता की उपेक्षा न की जाए। ऐसे में देखा जाए तो मूर्ख दिवस की महत्ता आज के दमघोंटू माहौल में कई गुना बढ़ जाती है क्योंकि वर्षभर में एक दिन के लिए ही सही, यह दिन हमें हंसी-खुशी के फव्वारे छोड़ने अर्थात् खिलखिलाकर हंसने-हंसाने तथा मनोरंजन करने का भरपूर अवसर प्रदान करता है।

मूर्खता असीम आनंद का स्रोत है

ज्ञान सदैव से दुख का कारण रहा है। ज्ञान आपको आपके कुछ करने के पहले ,कुछ तय करने के पहले ही डरा कर आपको रोक लेता है। ज्ञान भ्रमित करता है। अनिर्णय का कारण है ज्ञान। मूर्खता सदैव त्वरित निर्णय लेने में समर्थ होती है। मूर्खता आदमी को निडर बनाती है। वह आग में कूद सकता है। पहाड फाँद सकता है और बेधड़क पड़ौसी का गरेबान पकड़ सकता है। मूर्खता भीषण आत्मविश्वास की जननी है। और जैसा की आप जानते ही है आत्मविश्वास स्वयं में बहुत बडा सद्गुण है। मूर्ख किसी से सहमत नही होता। मूर्ख असहमत होने वालो की दुर्गति करने में समर्थ होता है। इसलिये मूर्ख से सहमत होना ही उत्तम विकल्प है।

मूर्ख दिवस पर विशेष

मुकेश नेमा

लेखक मप्र के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

मूर्खता से मधुर और कुछ भी नहीं। मूर्खता की सुगंध चारों दिशाओं व्याप्त हो ही जाती है। मूर्ख होना सुविधाजनक है। मूर्ख को किसी भी काम के लिये ज़िम्मेदार नही ठहराया जा सकता। वो खुद सारे जगत की ज़िम्मेदारी होता है। मूर्खता असीम आनंद का स्रोत है। मूर्खता कवच है। कोई भी विघ्न बाधा मूर्खता ओढ़े आदमी का बाल बाँका भी नही कर सकती। मूर्ख कुछ भी वक्तव्य जारी कर सकता है। उस पर बिना किसी की प्रतिक्रिया जाने स्वयं प्रसन्न हो सकता है। वह स्वयंभू है। वह किसी पर आश्रित नही। मूर्खता उसे भावनाओं के मामले में आत्मनिर्भर बनाती है। ग़लतियों उसे डराती नही। ग़लतियाँ उसे संकोच में ,दुविधाओं में डालने में समर्थ नही होती। वह इस मामले में स्वतंत्र होता है।

ज्ञान सदैव से दुख का कारण रहा है। ज्ञान आपको आपके कुछ करने के पहले,कुछ तय करने के पहले ही डरा कर आपको रोक लेता है। ज्ञान भ्रमित करता है। अनिर्णय का कारण है ज्ञान। मूर्खता सदैव त्वरित निर्णय लेने में समर्थ होती है। मूर्खता आदमी को निडर बनाती है। वह आग में कूद सकता है। पहाड फाँद सकता है और बेधड़क पड़ौसी का गरेबान पकड सकता है। मूर्खता भीषण आत्मविश्वास की जननी है। और जैसा की आप जानते ही है आत्मविश्वास स्वयं में बहुत बड़ा सद्गुण है।

मूर्ख किसी से सहमत नहीं होता। मूर्ख असहमत होने वालो की दुर्गति करने में समर्थ होता है। इसलिये मूर्ख से सहमत होना ही उत्तम विकल्प है।

मूर्खता मुखर करती है। मूर्ख मन में नहीं रखता कुछ। जो मर्जी हो कहता है। किसी के भी कुछ कहे जाने का बुरा नही मानता। बुरा मान जाये तो सामने वाले का सर भले ही तोड़ दे पर मन में विषाद नही पाले रहता। मूर्खता निर्मल करती है मन को। सारे ग्लानि विषाद से मुक्त मन उसे स्वस्थ्य बनाये रखता है। इस तरह मूर्खता को उत्तम स्वास्थ्य का कारण माने जाने पर भी किसी को आपत्ति नही होना चाहिये।

मूर्ख प्रायः स्वयं ही आनंदित बना रहता है। पर मूर्खता सदैव बहुसंख्यक रहती है। इसलिये अकेले हो जाने जैसी समस्या उसे कभी कष्ट नहीं देती।

मूर्ख मिलनसार होते हैं। ताने उसे असहज नहीं करते। लाभ हानि जैसी दुनियादारी से मुक्त होता है वो। वो कभी भी किसी प्रतियोगिता में नही पड़ता। हार का डर उसकी नींदें नही उड़ा पाता। ब्लडप्रेशर और शुगर जैसे रोगों से मुक्त निरोगी जीवन जीता है वो और दीर्घायु होता है।

मूर्खता वर्तमान में जीती है। भविष्य की चिताओं से मुक्त रहना स्वभाव है उसका। वह कल के लिये कुछ बचाने जैसी मूर्खता में नही पड़ता ना भूतकाल में कुछ खो देना उसे कष्ट देता है। ऐसी अलौकिक सोच उसे निर्वाण तक पहुँचने का सरल मार्ग उपलब्ध कराती है।

मूर्खता नैसर्गिक गुण है। यह प्रकृति प्रदत्त वरदान है। प्रायः मूर्खता जन्मजात होती है पर चतुर चालाक लोग मूर्खता के लाभ प्राप्त करने के लिये इसे ओढ़ कर इससे लाभान्वित होते ही रहते है। मूर्खता प्रसन्नता का राजपथ है। आईये मूर्खता की ओर बढ़े। मूर्खता को ओढ़े,मूर्खता को बिछायें और सुख को प्राप्त हों।

अंकलवाद, भैया से बाबू बेबी तक

बदलते दौर में सामाजिक ताने - बाने, परिवार और रिश्तेदारी में अनेक मायने बदलते जा रहे हैं। परिवार की परिभाषा और स्वरूप सिमटकर छोटा और छोटा होता जा रहा है। पहले छोटे घरों में परिवार और आगंतुक रिश्तेदार समा जाते थे लेकिन अब घर तो बड़े तथा सुविधाजनक होते जा रहे हैं परंतु दिल छोटे और छोटे। युवा या जेन- जी कहे जाने वाले आजकल आपस में भाई (अंडरवर्ल्ड वाला नहीं) और अब ग्रुप में 'हलो गाइज' संबोधित करते हैं। कई लोगों को तो पता भी नहीं होता कि ये गाइज क्या बला है। पहले के परिवारों में दम्पति आपस में नाम नहीं लेकर सुनो जी, ऐजी या फिर अपने बच्चों के नाम से बुलाते थे। अब पति परमेश्वर और पत्नी जानूं, डार्लिंग से कब बेबी, बाबू, हनी या हब्बी हो गये पता ही नहीं चला। दरअसल अंकल आंटी और बेबी , बाबू का प्रचलन तो इतनी तेजी से बड़ा कि पुराने संबोधन विलुप्त होते जा रहे हैं।

अप्रैल फूल दिवस पर विशेष

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

यदि आप बाजार, बैंक, पोस्ट ऑफिस, पार्क, यात्रा के दौरान या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर खड़े हों और आवाज आती है अंकल, अंकल जी या भैया तो वहां मौजूद कई लोग उसी दिशा में मुड़कर जरूर देखेंगे कि कहीं कोई उन्हें तो नहीं पुकार रहा। यही समाज, परिवार और सार्वजनिक जगहों पर फैलता अंकल या भैयावाद या फिर इसमें आंटी को भी शामिल कर लेते हैं। हर कोई हर किसी को अंकल, आंटी और भैया से संबोधित कर रहा है। चाहे वह रिश्तेदार हो, परिवार से जुड़े कोई मित्र, दुकानदार, डिलिवरी बॉय, दूधवाला, सब्जीवाला, ड्राइवर, ओला उबर चलाने वाला या अन्य सेवाएं घरों के दरवाजों पर उपलब्ध कराने वाला अथवा कोई और शख्स।

बदलते दौर में सामाजिक ताने - बाने, परिवार और रिश्तेदारी में अनेक मायने बदलते जा रहे हैं। परिवार की परिभाषा और स्वरूप सिमटकर छोटा और छोटा होता जा रहा है। पहले छोटे घरों में परिवार और आगंतुक रिश्तेदार समा जाते थे लेकिन अब घर तो बड़े तथा सुविधाजनक होते जा रहे हैं परंतु दिल छोटे और छोटे। युवा या जेन-जी कहे जाने वाले आजकल आपस में भाई (अंडरवर्ल्ड वाला नहीं) और अब ग्रुप में 'हलो गाइज' संबोधित करते हैं। कई लोगों को तो पता भी नहीं होता कि ये गाइज क्या बला है। पहले के परिवारों में दम्पत्ति आपस में नाम नहीं लेकर सुनो जी, ऐजी या फिर अपने बच्चों के नाम से बुलाते थे। अब पति परमेश्वर और पत्नी जानूं, डार्लिंग से कब बेबी, बाबू, हनी या हब्बी हो गये पता ही नहीं चला। दरअसल अंकल आंटी और बेबी, बाबू का प्रचलन तो इतनी तेजी से बड़ा कि पुराने संबोधन विलुप्त होते जा रहे हैं।

घर के दामाद को जमाई जी, जामाता, कुंवर जी, कुंवर सा से लेकर अब सीधे नाम लेकर बुलाया जाने लगा है। किसी समय के काका - काकी अब चाचा- चाची से लेकर चाचू बहन को बाई सा, दीदी या बेन के बाद सीधे नाम से संबोधित किया जाने लगा है।

इसी तरह जीजाजी को कब से जीजू कहा जाने लगा है। किसी समय जीजाजी के नखरे कम नहीं होते थे उन्हें हाथ में पानी का गिलास और अन्य वस्तुएं चाहिये होती थी। ससुराल में पूरी मनमर्जी उन्हीं की चला करती थी लेकिन अब उनके भी बुरे दिन आ गये लगता है। बदलते दौर में इन जीजुओं के नखरे उठाने वाले भी नहीं बचे हैं। आज कहां किसी को इतनी फुर्सत होती है। सो, ससुराल को भी घर समझकर अपना काम खुद करो का जमाना चल रहा है।

समाज, परिवार और रिश्तेदारी में सबसे बुरे हाल बेचारे फूफाजी के नजर आते हैं। फूफाजी को कभी भी किसी भी मौके पर नाराज होते, असंतुष्ट भाव, मुंह फुलाकर बैठने वाले या रंग में भंग करने वाले पात्र के रूप में चित्रित किया जाता है। इस किरदार को लेकर अनेक कहावतें, विचार प्रकट होते रहते हैं जैसे- आप क्यों फूफा बने बैठे हो।इन दिनों चल रही एक जंग की डिबेट में तो एक एक्सपर्ट ने पाकिस्तान को लेकर कह दिया कि वो जबरन फूफा बना घूम रहा है जबकि उसे कोई पूछता नहीं। हालांकि अपवाद स्वरूप ही सही कुछ फूफा आज भी ऐसे मिल जायेंगे जो सभी जगह हर हाल में एडजस्ट हो जाते हैं लेकिन क्या करें ' मुफ्त हुए बदनाम....।

एक समय दाजी, पिताजी, बाबूजी कहे जाने वाले पिता पापा, डेडी या डेड और इसी तरह मां, अम्मा, बाई, मम्मी से होते हुए कब मम्मा और अपभ्रंश होकर मोमा कही जाने लगी पता ही नहीं चला। दादाजी को दादू, नाना को नानू और मामाजी को मामू (सुबह हो गई मामू नहीं) ताऊ जी को बड़े पापा कहा जाने लगा है। इसी तरह बेटे को ज्यादातर नाम से या लाड़ से भइयू, छोकरा, गुजराती में डीकरा या बाबो और मराठी में बाड़ा, घर की बहू को बहू,लाड़ी, बींधनी, बहूरानी से अब घरों में नाम लेकर बुलाया जाने लगा है। गनीमत है कि प्राचीन काल से चले आ रहे दादी, नानी, बुआजी सासूजी, सासू मां मम्मी जी सर, जी सर, यश सर, साहब इत्यादि आज भी धड़ल्ले से चल रहे हैं, अपने जमाने की किसी पॉपुलर हिट फिल्म की तरह। यह भी सच है कि आपस के संबोधन पर फिल्मों, टीवी सीरियल, पत्र- पत्रिकाओं का भी प्रभाव रहा है।

कुछ समय पहले तक शाम की वॉक के दौरान मध्यप्रदेश के एक सेवानिवृत्त डीजीपी से सामाजिक,राजनैतिक और वर्तमान समय के सामयिक मुद्दों पर चलते- चलते चर्चा हो जाया करती थी। उनका भी यही मानना है कि बदलते सामाजिक वातावरण और मान्यताओं के दृष्टिगत हर किसी को अंकल या भैया संबोधित करना उचित नहीं कहा जा सकता बल्कि इसका विकल्प सामने आना चाहिये।उनका कहना था कि खास तौर पर इन दोनों संबोधनों की आड़ में भी अपराध पनप रहे हैं। इन नजदीकी संबोधनों का आपराधिक तत्व नाजायज फायदा उठाने का कुत्सित काम करते हैं। लोग इसे समझें तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।समाज को दिशा देने वाले विद्वज्जन, आचार्यों और सोशल सेक्टर में कार्यरत कार्यकर्ताओं को इसका हल खोजना चाहिये। यही श्रेयस्कर होगा।

श्री श्वेतांबर जैन समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक हर्षोल्लास के साथ मनाया

धार। श्री श्वेतांबर जैन समाज द्वारा आज भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया। सर्वप्रथम प्रातः काल की बेला से ही वासक्षेप पूजा, केसर पूजा, सामूहिक चैत्यवंदन, कर प्रभु की रथयात्रा पू. आचार्य भगवंत श्री जीतरत्नसागरसुरेश्वर जी एवं चंद्ररत्नसागरसुरेश्वरी जी महाराज साहब के सानिध्य में नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री पारसनाथ मंदिर, श्री आदेश्वर मंदिर, श्री शंखेश्वर मंदिर दर्शन, और चैत्यवंदन कर राजेंद्र भवन पहुंच कर प्रवचन के रूप में परिवर्तित हुई।

जहां पूज्य आचार्य भगवान चंद्ररत्नसागर सुरेश्वर जी ने समाज को प्रेरणा दी। आज हम एक संकल्प लें कि भगवान महावीर के बताएं मार्गों पर चलकर उनके द्वारा दिए गए उपदेशों को जीवन में धारण कर जीवन को परिवर्तित कर सफल बनाना है। इसी क्रम में पूज्य आचार्य भगवान ने सभी

श्रावक श्राविकाओं को यह प्रेरणा दी कि हमें हमारे दैनिक जीवनचार्य में भगवान महावीर द्वारा बताएं मार्ग पर चलकर सभी जीवो की रक्षा करना, मैत्री भाव को आपस में बनाकर रखना, हमें हमारे साथियों को सहयोग करना, जो हमारे बराबर या हमारे समक्ष नहीं है उनकी मदद करना। इस प्रकार आपसी मैत्री भाव कर इस जन्म कल्याण को सफल बनाना है। जन्म कल्याण पर सभी श्री संघ के सदस्यों में पूज्य आचार्य भगवान की प्रेरणा को ग्रहण कर अपने आप को प्रभु महावीर के सिद्धांतों के अनुसार चलने हेतु संकल्पित किया।

सर्वप्रथम गुरु वंदन कर पूजा आचार्य भगवान के प्रवचन हुए और प्रवचन के पश्चात पूज्य आचार्य भगवान ने सभी को मांगलिक श्रवण करवाई।

अंत में सभी समाज जनों ने एक दूसरे को बधाई देकर उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रभु की रथ यात्रा में सभी समाजजन एक साथ पुरुष सफेद वस्त्र में और महिलाएं केसरिया वस्त्र धारण किए हुए चल रहे थे। प्रभु के आगे जगह-जगह अक्षत से गवली कर प्रभु को वदाया जा रहा था।

छोटा महावीरजी कागदीपुरा में 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

धार। छोटा महावीरजी कागदीपुरा में 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन कर अभिषेक शांतिधारा की।

अभिषेक करने के लाभार्थी रोहित नेमीचंद बाकलीवाल नीमच रहे शांतिधारा का लाभ गिरनी बाई बाबूलाल विनय कुमार छाबड़ा बगड़ी वालों को मिला। आए हुए श्रावकों को अभिषेक करने का अवसर मिला। संगीतमय पूजन नितिन गंगवाल मांडव ने करवाई। भगवान महावीर स्वामी को पालना झुलाने का कार्यक्रम हुआ।

इस अवसर पर तीर्थ प्रमुख विनय छाबड़ा इंजी.आशीष जैन,अजीत छाबड़ा,कमेटी के सुरेश गंगवाल, प्रकाश गंगवाल, मुकेश गंगवाल, अजय छाबड़ा, संजय छाबड़ा पवन छाबड़ा, राहुल,अमन, अंकित छाबड़ा,संजय सेठी एवं पवन जीराबाद, निलेश मोदी बदनावर, विपुल इंदौर संतोष काला कुंजरोद इंदौर धार धामनोद के समाजजन महिला संगठन की चेतना छाबड़ा,

मनीषा जैन ,निशा गंगवाल, कल्पना, ममता,रूपा छाबड़ा, सरला गंगवाल और अर्चना सेठी नीरू छाबड़ा महिला मंडल ने विश्व शांति के लिए विधान किया। पंडित सुधीर शास्त्री और पंडित आशुतोष शास्त्री द्वारा धार्मिक अनुष्ठान करवाए।

जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका

सीधी। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायतें जल संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में ग्रे वाटर प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए लीच पिट की मरम्मत एवं रंगाई-पुताई का कार्य कराया जा रहा है, जिससे अपशिष्ट जल के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में घरों से निकलने वाले अपशिष्ट जल (ग्रे वाटर) के प्रबंधन हेतु लीच पिट एक किफायती, पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ प्रणाली के रूप में उपयोगी सिद्ध हो रही है। यह व्यवस्था पानी को धीरे-धीरे जमीन में रिसने देती है, जिससे जलभराव की समस्या नहीं होती और भूजल स्तर के पुनर्भरण में भी मदद मिलती है। अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर

जनसमुदाय एवं शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को जल संरक्षण, स्वच्छता एवं जल के सदुपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान सामूहिक रूप से जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है।इसके साथ ही अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर 'जल मंदिर' स्थापित कर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। वहीं पारंपरिक 'प्याऊ' की व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंदों को निःशुल्क ठंडा पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। यह परंपरा न केवल प्यास बुझाने का कार्य करती है, बल्कि सामाजिक सद्भाव, मानवीय संवेदना और जल संरक्षण के संदेश को भी सशक्त रूप से प्रसारित करती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जिले में जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को नई गति मिल रही है।

ग्राम ठीकरी में एकत्रित हुए कद्दावर नेता

समर्पण के साथ आगे बढ़ते रहे,तो यह एक बड़ी जनशक्ति बनकर उभरेगा : पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, विधायक सीताशरण शर्मा

सोहागपुर। सोहागपुर विधानसभा मुख्यालय से करीबन 21 किलोमीटर दूर ग्राम ठीकरी में ऐक्टिव भारत मंच की ब्लाक स्तरीय बैठक सोमवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक सीताशरण शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष प्रांशु थाने, जनपद पंचायत अध्यक्ष नर्मदापुरम भूपेंद्र चौकसे, सोहागपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष जालमसिंह पटेल एवं कद्दावर नेताओं को एक मोबाइल संदेश से एकत्रित करने वाले ईश्वरसिंह पटेल आदि मंचासीन थे। उक्त बैठक ऐक्टिव भारत मंच के संगठन विस्तार, भविष्य की रणनीति एवं जमीनी स्तर संगठन पर सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य को लेकर आहुत की गई थी।

इस अवसर पर विधायक सीताशरण शर्मा ने कहा कि आज के समय में समाज को एकजुट करने और सकारात्मक दिशा देने वाले संगठनों की अत्यंत आवश्यकता है। ऐक्टिव भारत मंच जिस उद्देश्य के साथ कार्य कर रही है। वह युवाओं एवं समाज दोनों के लिए प्रेरणादायक है। यदि संगठन इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ता रहा, तो यह एक बड़ी जनशक्ति बनकर उभरेगा। ऐक्टिव भारत मंच के अध्यक्ष प्रांशु राने ने कहा,हमारा लक्ष्य केवल संगठन बनाना नहीं, बल्कि एक मजबूत सामाजिक नेटवर्क तैयार करना है। वर्तमान में मंच का विस्तार नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, भोपाल, नरसिंहपुर और रायसेन जिलों में तेजी से किया जा रहा है। आने वाले समय में प्रत्येक ब्लाक एवं ग्राम स्तर तक इसे सक्रिय

किया जाएगा। ऐक्टिव भारत मंच के ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम पटेल ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन के विस्तार को मजबूत प्रदान करने के साथ ऐक्टिव भारत मंच को गांव-गांव तक सक्रिय करना है। ऐक्टिव भारत मंच अपने मूल ध्येय 'एकता, सेवा और प्रगति' के साथ निरंतर कार्य कर रहा है। तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का प्रयास कर रहा है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक सीताशरण शर्मा के भोपाल प्रवास के कारण वापिस जाने के उपरांत भी प्रतिष्ठित नागरिकों का आना जारी था। यहां भोजन प्रसादी भी आगुंतकों के लिए रखी गई थी। देर शाम तक उत्साह का वातावरण रहा। इसी अवसर पर एक फोन पर क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिकों को एकत्रित करने वाले ईश्वरसिंह पटेल ने अपनी चिर-परिचित अंदाज में कहां कि सेठ (याने भाजपा के प्रथम झंडा उठाने वाले स्वर्गीय लक्ष्मणदास गोलानी) के बारे में कहा कि उन्होंने ही हम लोगों को भाजपा के लिए सक्रिय किया था। उनके प्रत्येक ग्राम में समर्पित ग्राम वासी थे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस शासनकाल में कोई भाजपा का झंडा उठाने को तैयार नहीं होते थे।ऐसे में विपक्ष में रहते आन्दोलन करते रहते।हम लोग भी उनका सहयोग करते रहते थे।

लेकिन उन्होंने जो एक वट वृक्ष लगाया था।उसकी छाया कैसे लोग ले रहे हैं।यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। उसके उपरांत आपने विधायक दादा स्वर्गीय मधुकरराव हर्ण का सार्गभित ज़िक्र किया। उनके क्षेत्रवासियों पर समर्पण की भावना की प्रशंसा की। इस अल्प समय में आयोजित

बैठक में सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने सुझाव साझा किए। पूरे कार्यक्रम में उत्साह एवं ऊर्जा का माहौल रहा। इस अवसर जनपद पंचायत अध्यक्ष जालमसिंह पटेल,भाजपा सुरेश पटेल, अंजनी पटेल, कांग्रेस के रणवीरसिंह पटेल ,कृष्णा पालीवाल, विशाल गोलानी , कांग्रेस के जिला जनपद सदस्य दौलतराम पटेल,भरतजी पटेल, विक्रम रघुवंशी,

सौरभ (गोलू) अग्रवाल, संतोष कुशवाहा, सुनील राठौर, सुनील रघुवंशी वकील, प्रांजल तिवारी, देवेंद्र पटेल, सरपंच दयाराम पटेल गुरमखेडी, बड्डे भैया गुजरखेरी, खेमचंद पटेल किवलारी, राम हजूर पटेल किवलारी सहित गई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। अंत में नर्मदापुरम से भाजपा नेता प्रसन्ना हर्ण भी पहुंच गए। इसके पूर्व विधायक सीताशरण शर्मा का पुष्पहारों से स्वागत किया गया। हिमांशु पटेल ठीकरी ने बताया कि हमारा उद्देश्य है कि ऐक्टिव भारत मंच के बेनर तले ऐसे नागरिकों का सम्मान करना है।जो निरंतर सेवा भाव किसी भी क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। उदाहरण स्वरुप समाज में समरस और जागरण का कार्य करती है। जिसमें करीबन 50 वर्षों से निरंतर ÷राम फेरी एवं सीता-राम कीर्तन÷ को जीवंत बनाए रखने वाले श्रद्धालुओं का सम्मान किया जाएगा।इसी क्रम में रेवा बनखेड़ी में नर्मदा जी की स्वच्छता के लिए पर्यावरण सेवकों घाटों की सफाई एवं अवैध रेत उत्खनन को रोकने वाले सेवकों,ईश्वरपुर से यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र , भारतीय सेना के पूर्व सैनिक नीलम पटेल अपना योगदान नवीन फौजियों को प्रशिक्षण प्रदान करने वाले ऐसी विभूति सहित उत्कृष्ट योगदान देने वालों को करने सम्मानित करने का प्रस्ताव था।

स्वच्छता जागरूकता और सेवा का संगम

सीधी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर गोद ग्राम नौगवां धीर सिंह में प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ 23 मार्च को मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ. अरविंद त्रिपाठी एवं श्रीमती प्रतिभा भार्गव की उपस्थिति में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। उद्घाटन उपरांत स्वयंसेवकों द्वारा परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। शिविर के दौरान प्रतिदिन प्रभात फेरी, योग, स्वल्पाहार, बौद्धिक चर्चाएं एवं सामाजिक गतिविधियां आयोजित की गईं। द्वितीय दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की गई, वहीं तृतीय दिवस सामाजिक न्याय एवं निरूशक्तजन विभाग के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत व्याख्यान आयोजित हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों ने पोस्टर एवं कविता के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान नशा निषेध एवं जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई तथा स्वच्छता एवं साक्षरता रैली निकाली गई। चतुर्थ दिवस स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए एवं वृद्धाश्रम परिसर में स्वच्छता कार्य किया। पंचम दिवस जिला प्रशासन के आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आपदा से निपटने हेतु प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उपकरणों के उपयोग की जानकारी भी दी गई। षष्ठम दिवस मलेरिया जागरूकता, साइबर क्राइम पर चर्चा एवं बाल विवाह विषय पर मार्गदर्शन दिया गया। शाम के समय आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने लोकगीत, सैला नृत्य एवं अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंतिम दिवस 29 मार्च को आयोजित समापन समारोह में शिविर की समस्त गतिविधियों का सिंहावलोकन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एम. यू. सिद्दीकी उपस्थित रहे।

बहरी तहसील में ऑनलाइन रिश्वत का हुआ खुलासा

सीधी। जिला स्तरीय जन सुनवाई में आज बहरी तहसील के एक लिपिक की शिकायत पहुंची है, पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराते हुए रिश्वत का जो प्रमाण प्रस्तुत किया है उसे देख सभी की आंखे खुली की खुली रह गई। उल्लेखनीय है कि सिहावल विकासखंड अंतर्गत संचालित बहरी तहसील में पदस्थ भृत्य को लिपिकीय कार्य सौंपा गया है, जो अब खुद को तहसीलदार ही समझ लिया है। बताया जा रहा है कि चपरासी को लिपिक के प्रभार जब से दिया गया है तब से यह आलम बना हुआ है, इनके द्वारा लंबे समय से भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इस संबंध में शिकायतकर्ता आशीष कुमार मिश्रा पिता छत्रमणि मिश्रा निवासी ग्राम मझरेटी खुर्द ने दिए आवेदन में कहा है कि न्यायालय नायब तहसीलदार बहरी में भृत्य के मूलपद पर पदस्थ लोकेश कुमार श्रीवास वर्ष 2018 से निरंतर लिपिक/प्रस्तुतकार का कार्य कर रहे हैं। उक्त भृत्य अपने कार्यस्थल का नाजायज लाभ लेते हुए पक्षकारों से रिश्वत की अवैध वसूली कर रहा है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि वह स्वयं फोन-पे के माध्यम से दिनांक 23 फरवरी 2025 को एक हजार एवं दिनांक 3 मई 2025 को 500 रुपए देने के साथ ही कई बार नकदी दे चुके हैं। उक्त भृत्य की शिकायत पूर्व में भी कलेक्टर सीधी के समक्ष 9 सितंबर 2025 को की गई थी फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब नवागत कलेक्टर के यहां आवेदन देकर भृत्य पर कार्रवाई की मांग की गई है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष की अगवानी

सोहागपुर। ऐक्टिव भारत मंच के तत्वावधान में सोहागपुर विधानसभा के ग्राम ठीकरी में संगठन के विस्तार को लेकर बैठक आयोजित की गई।इस बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक सीताशरण शर्मा के ग्राम आगमन पर जनपद पंचायत अध्यक्ष जालमसिंह पटेल,दयाराम पटेल, प्रांशु थाने, खेमचंद पटेल, ईश्वर सिंह पटेल सहित कई नागरिकों ने उनकी अगवानी की।

शोभापुर में पत्रकार को धमकी,रोष

सोहागपुर। समीपवर्ती ग्राम शोभापुर में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब अपराधी एक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकार को फोन पर धमकी वो भी गर्दन उतार देंगे की धमकी देने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में बस कंडक्टर के साथ हुई मारपीट की खबर प्रसारित होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकार को दी है। इससे पत्रकारों में रोष व्याप्त है। बताया जा है कि धमकी देने वाले आरोपी ने पुलिस पर भी अनर्गल टिप्पणियां की हैं। पत्रकारों ने मामले में पुलिस को कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

देवास के एक टॉकीज से अपहृत युवक-युवती को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचाया, 6 घंटे में दो आरोपी गिरफ्तार

देवास। शहर के अभिनव टॉकीज में फिल्म देखने गए युवक-युवती के साथ अपहरण और मारपीट की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि इंदौर के युवकों ने महिला के पूर्व पति रवि वर्मा और उस के साथी हर्षित वर्मा व पीयूष यादव अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों को जबरन कार में बैठाकर इंदौर ले गए। सूचना पर देवास पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। जानकारी के अनुसार फरियादी चिरायु पाठक ओर महिला कृतिका तिवारी दोस्त हैं और रविवार रात करीब 8:30 बजे अभिनव टॉकीज से फिल्म देखकर बाहर निकले थे। तभी महिला का पूर्व पति रवि वर्मा अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने महिला ओर युवक को जबरन कार में बैठाया और मारपीट करते हुए इंदौर के एमआईजी क्षेत्र की ओर ले गए। मौका मिलते ही महिला और युवक ने एमआईजी थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की सूचना दी। वहीं, देवास में घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस सक्रिय हो गई और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर अपराधियों का पीछा किया पश्चात कोतवाली थाना प्रभारी श्यामचंद शर्मा की टीम ने पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत के मार्गदर्शन में त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विश्व शांति का संदेश देते हुए मनाई गई महावीर जयंती, संपूर्ण नगर हुआ महावीरमय

देवास। जियो और जिने दो का अमर संदेश देकर दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले जैन जगत के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामीजी का जन्म कल्याणक दिवस महावीर जयंती आज देवास नगर के समग्र जैन समाज द्वारा अपूर्व उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इसके चलते संपूर्ण नगर महावीरमय बन गया।

विश्व के वर्तमान हिंसात्मक वातावरण का समाधान महावीर के अहिंसा एवं मैत्री सिद्धांत द्वारा ही हो सकता है। इसी उद्देश्य वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है को प्रदर्शित करते हुए निकली झांकी की सर्वत्र प्रशंसा हुई एवं आकर्षण का केन्द्र बनी। महावीर प्रभु के जन्मोत्सव की खुशियां मनाते हुए श्रद्धालु नौजवान झूमते- नाचते चल रहे थे। चांदी के सुसज्जित रथों में बैठकर जब भगवान महावीर स्वामी नगर भ्रमण पर विशाल शोभा-यात्रा के साथ निकले तो श्रीफल एवं अक्षत से अपने प्यारे प्रभु की अगवानी के लिये श्रद्धालु दौडे चले आये। शोभा यात्रा मार्ग में महावीर स्थानकवासी संघ ने प्रभु महावीर के जीवन चरित्र पर नयनाभिराम जीवंत झांकी की सराहनीय प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर शोभायात्रा का मार्ग में अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक संस्थाओं ने स्वागत किया। आयोजन में समिति के अध्यक्ष विजय जैन, महासचिव शैलेन्द्र चौधरी, भरत चौधरी, सचिव संजय कटारिया एवं पदाधिकारी अतुल जैन, मनीष जैन कायथावाला, मुकेश चौधरी, विशाल जैन , नितिन जैन मानव, पारस जैन, सुनील जैन घोटू, रिंकेश जैन, प्रदीप जैन तुमसरवाला, पारस जैन इटावा, निलेश जैन, सतीश जैन, ने सहयोग प्रदान किया। महावीर जयंती के उपलक्ष्य

में पूर्व संध्या पर समाज की महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रेरक नृत्य नाटिका की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। नगर के सभी जैन मंदिरों में अनेक विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। जैन धर्मावलंबियों ने अपने निवास स्थान पर केशरिया एवं जैन ध्वज फहराये तथा दीपक जलाये। साथ ही सभी जैन मंदिरों पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई।

आकर्षक शोभायात्रा का नजारा- मुख्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा सुबह 8.30 बजे श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर से निकाली गई। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में महिला, पुरूष तथा बच्चें शामिल थे। नवयुवक एवं नवयुवतियों ने विशेष परिधान धारण किए थे। विशाल जनसमुदाय को समाहित किये हुए यह शोभायात्रा अनेक आकर्षणों से सुसज्जित थी। सबसे आगे अश्वारोही दल केशरिया ध्वज थामें चल रहा था। महावीर स्वामी के जीवन चरित्र की नयनाभिराम झांकी ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। नवयुवकों में अपूर्व उत्साह था, जो देखते ही बनता था। बालिकाएं आकर्षक डांडिया रास प्रस्तुत कर रही थी। महिलाओं की विशाल संख्या मस्तक पर 108 कलश लेकर कतारबद्ध चल रही थी। इसके बाद चांदी के सुसज्जित रथ में विराजमान थे प्रभु महावीर स्वामी। भगवान की एक झलक पाने के लिये श्रद्धालुओं में होड़ लगी हुई थी। सम्पूर्ण वातावरण भगवान महावीर की जय-जयकार एवं भगवान महावीर का अमर संदेश जियो और जीने दो के नारों से गुंजायमान हो रहा था। महिलाओं का विशाल समूह मंगल गीत गाते हुए चल रहा था। प्रभु के भक्ति पूर्ण गीतों ने नगर वासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शोभायात्रा वर्धमान जैन स्थानक, श्री आदेश्वर मंदिर, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर मंदिर, श्री चन्दाप्रभु मंदिर एम.जी. रोड़, श्री चन्दाप्रभु माणिभद्र मंदिर, जवाहर चौक होते हुए श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर पर समाप्त हुई। श्रमण संस्कृति सदन में श्री जी का अभिषेक हुआ।

ये थे विशेष अतिथि इस भव्य कार्यक्रम के

समारोह में मुख्य अतिथि देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार, जिलाधीश ऋतुराजसिंह, महापौर गीता अग्रवाल, सभापति रवि जैन, भाजपा नेता दुर्गेश अग्रवाल, ओम जोशी, रघुवीरसिंह भदोरिया, आनंद कोठारी, नवीन सोलंकी, पूर्व महापौर सुभाष शर्मा, जयसिंह ठाकुर, रेखा वर्मा, तहसीलदार सपना शर्मा, कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम, मनोज राजानी, राजीव खंडेलवाल, विधायक प्रतिनिधि भरत चौधरी, पूर्व पार्षद राजेश यादव, निलेश वर्मा, राम यादव, शुभम चौहान, सुरेश सिलोदिया, देवेन्द्र नवगोत्री, मिलिंद सोलंकी, महेश चौहान, रामेश्वर जलोदिया, अशोक कहार, सुधीर शर्मा, राहुल पंवार, अंकित जैन, विनोद शर्मा, राजकुमार ठाकुर, संजय शुक्ला, अशोक सोमानी, दिनेश मिश्रा, आदि विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अनेक संस्थाओं ने किया स्वागत

शोभायात्रा का मार्ग में जैन समाज सामाजिक संगठन, नगर सुरक्षा समिति, सामाजिक समरसता मंच, मॉ चामुण्डा सेवा समिति, भाजपा नगर मंडल,नगर कांग्रेस कमेटी,पार्श्वनाथ नवयुवक मण्डल, विजय जैन मित्र मंडल, शंखेश्वर पार्श्वनाथ ट्रस्ट मंडल, संस्था गौरवमयी, गौतम ग्रुप, माणिभद्रवीर मण्डल, मारवाडी महिला मंडल, स्वर्णकार समाज, कपड़ा व्यापारी एसोसिएशन,खाटू श्याम सेवा समिति, पुस्तक एवं स्टेशनरी एसोसिएशन, वर्धमान स्थानकवासी संघ, चन्दाप्रभुजी नवयुवक मंडल, सराफा एसोसिएशन, अनाज व्यापारी संघ, आदि अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक संस्थाओं ने स्वागत किया।

'माँ नर्मदा के आंचल में संवर्धन का संकल्प'

मंत्री प्रहलाद पटेल एक हफ्ते में दूसरी बार पहुंचे गुंजारी नर्मदा संगम

सीहोर, (निप्र)। सीहोर जिले के बुधनी जनपद की हरित वादियों में स्थित ग्राम जोशीपुर का गुंजारी नर्मदा संगम घाट आज एक बार फिर जनसेवा और संवेदनशीलता का साक्षी बना। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत यहां पहुंचे प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने न केवल व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, बल्कि प्रकृति और संस्कृति के इस पावन संगम से एक गहरा संवाद भी स्थापित किया। नर्मदा के शांत प्रवाह के बीच मंत्री श्री पटेल के घाट पर पहुंचने से वातावरण में एक विशेष ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने संगम स्थल पर चल रहे स्वच्छता एवं संरक्षण कार्यों का सूक्ष्म अवलोकन किया। घाट के हर कोने, सीढ़ियों और जल की स्थिति का निरीक्षण करते हुए उन्होंने व्यवस्थाओं को परखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री पटेल ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने घाट की स्वच्छता, जल की गुणवत्ता एवं उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया, साथ ही भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि गुंजारी संगम घाट के संपूर्ण ढांचे को सुदृढ़ एवं आकर्षक बनाया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर के विकास हेतु भी विशेष कार्य किए जाएंगे, जिससे यह स्थल आस्था के साथ-साथ पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख केंद्र बन सके।

इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल के शब्दों में भावुकता भी झलक उठी। उन्होंने कहा, 'माँ नर्मदा ने हमें सदैव जीवन, आस्था और समृद्धि दी है। अब यह हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें स्वच्छता, संरक्षण और सम्मान के रूप में कुछ लौटाएं।' उनके ये शब्द उपस्थित जनसमूह के लिए एक प्रेरणादायक जनआह्वान बन गए। मंत्री श्री पटेल ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को एक निरंतर चलने वाला जनआंदोलन बताते हुए कहा कि यह प्रयास किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि संगम स्थलों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के कार्य नियमित रूप से जारी रखें।

उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नदियाँ केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की जीवनरेखा हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है। उल्लेखनीय है कि मंत्री श्री पटेल इससे पूर्व भी इस स्थल पर स्वयं स्वच्छता कार्य में सहभागी बन चुके हैं। उस समय उन्होंने जनभागीदारी का जो संदेश दिया था, आज के पुनः निरीक्षण ने उसे और अधिक सशक्त किया है। उनका यह प्रयास स्पष्ट करता है कि संवर्धन केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि संकल्प और सतत प्रयास से संभव होता है।

गुंजारी संगम घाट पर आज का यह निरीक्षण एक प्रशासनिक गतिविधि से कहीं अधिक रहा—यह प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, संस्कृति के प्रति समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण बन गया। यहां बहती नर्मदा की धारा मानो इस संकल्प की साक्षी बन, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित भविष्य की कामना कर रही हो।

नियां में किसानों का प्रदर्शन, बोले-धोखे से जमीन हड़प रहे

सीहोर, (निप्र)। सीहोर जिले के सेवनियां गांव में जमीन विवाद को लेकर किसानों ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने पुलिस पर बटाईदारों के साथ मारपीट करने और पटवारी पर बिना आदेश खेत में जबरन तारबंदी कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि यह पूरी कार्रवाई गैरकानूनी तरीके से की गई है। किसानों के अनुसार, गांव के ही एक किसान हनुमंत सिंह ने अपनी कृषि भूमि करीब 14 साल पहले 11 लाख 75 हजार रुपये में पप्पू कौशल को बेची थी। अनुबंध के अनुसार पूरी रकम मिलने के बाद रजिस्ट्री होना थी, लेकिन आरोप है कि हनुमंत सिंह लगातार टालमटोल करते रहे और अब उसी जमीन को किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया।

किसी और को कब्जा दिलाने की कोशिश की : पप्पू कौशल का कहना है कि उन्होंने वर्ष 2012 में यह जमीन खरीदी थी और तब से बटाईदारों के जरिए खेती कर रहे हैं। इसके बावजूद हाल ही में पटवारी और पुलिस बिना किसी आदेश के खेत पर पहुंची और जबरन सीमेंट के खंभे गाड़कर तारबंदी कर दी। विरोध करने पर बटाईदार दिलीप और हरिओम को धमकाते हुए पुलिस मंडी थाने ले गई। किसानों का आरोप है कि बिना किसी वैध दस्तावेज के उनके खेत का कब्जा किसी अन्य को दिलाने की कोशिश की गई। इस मामले को लेकर गांव के कई किसानों ने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को शिकायत भेजी है और निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

नरवाई नही जलाने के लिए जागरूकता रथ एवं पोस्टर के माध्यम से किसानों को किया जा रहा जागरूक

सीहोर, (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए कृषि विभाग द्वारा जागरूकता रथ संचालित किया जा रहा है, जिसमें लगे लाउडस्पीकर के माध्यम से किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों और नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों के बारे में जानकारी दी जा रही है। किसानों को समझाइश दी जा रही है कि वे फसल अवशेष (नरवाई) को जलाने के बजाय वैज्ञानिक तरीकों से उसका प्रबंधन करें, जिससे भूमि की उर्वरता बनी रहे, पर्यावरण प्रदूषण से बचाव हो और कृषि उत्पादन भी अधिक हो। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की जा रही है कि वे नरवाई न जलाएं और बताए गए वैकल्पिक उपायों को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

वृद्धजनों को प्रदान किए गए सहायक उपकरण

सीहोर, (निप्र)। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) एवं वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा वृद्धजनों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता अनुसार व्हीलचेयर, वॉकर, श्रवण यंत्र, छड़ी, बैसाखी एवं अन्य उपयोगी सहायक सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में विधायक श्री सुदेश राय, श्रीमती अरूणा राय एंव श्री सुदीप प्रजापति ने लगभग 100 से अधिक वृद्धजनों को लगभग 98 सहायक उपकरण प्रदान किए। इस अवसर विशेष बच्चों द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में संचालक डॉ अर्जुन सिंह, श्री राजेश शर्मा, श्री महेश यादव, श्री मनोज कुमार सहित वृद्धजन, अभिभावक एवं नागरिक उपस्थित थे।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने सब जेल गंजबासौदा का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

विदिशा, (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शेख सलीम ने आज उप जेल गंजबासौदा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री शेख सलीम ने बंदियों की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए जेल प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जेल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया और पाकशाला (रसोईघर) का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता की स्थिति देखी। निरीक्षण के पश्चात उन्होंने जेल में व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए प्रशासन की सराहना की। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर भी उपस्थित रहे। साथ ही जेलर श्री आलोक कुमार भार्गव एवं अन्य स्टाफ सदस्य भी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे।

विधायक श्री मीणा ने दिलाई नरवाई न जलाने की शपथ

विदिशा, (निप्र)। शमशाबाद विधायक श्री सूर्य प्रकाश मीणा ने आज ग्राम गुरोद में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर कार्यों का शुभारंभ किया और क्षेत्र के विकास को नई गति देने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री मीणा ने उपस्थित ग्रामीणों को नरवाई (फसल अवशेष) नहीं जलाने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचता है, भूमि की उर्वरता घटती है और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर नरवाई का उचित प्रबंधन करें, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहे और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिले। शासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे कृषि यंत्रों और योजनाओं का लाभ लेने की भी सलाह दी गई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूटी ट्रक में घुसने पर कॉन्स्टेबल की मौत

पिता का पहले हो चुका निधन, साथी स्टोनो भोपाल रेफर

रायसेन, (निप्र)। रायसेन में पुलिसकर्मियों की स्कूटी एक ट्रक में पीछे से घुस गई। इस सड़क हादसे में एक पुलिस आरक्षक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रायसेन एसपी के स्टेनो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना गोपालपुर मंदिर के पास रात करीब 11 बजे हुई। घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है स्कूटी पर सवार पुलिसकर्मी तेज रफ्तार आकर ट्रक में पीछे से घुस जाते हैं। इस भीषण टक्कर में स्कूटी पर सवार पुलिसकर्मी उछलकर रोड पर गिर जाते हैं। हादसे में पुलिस आरक्षक नमन मुद्गल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, रायसेन पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के स्टेनो ललित मार्को गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल भोपाल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, आरक्षक नमन मुद्गल नर्मदापुरम जिले का रहने वाला था। ह घर का इकलौता बेटा था। पिता की मौत पर अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। उसकी विवाह की बात भी चल रही थी। त्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूचना मिलते ही रायसेन एसडीओपी प्रतिभा शर्मा अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने घायल ललित मार्को और मृतक नमन मुद्गल को जिला अस्पताल पहुंचाया। एसडीओपी शर्मा ने बताया कि दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि मौके पर घायलों को पहचानना मुश्किल था। उन्होंने पुष्टि की कि एसपी स्टेनो ललित मार्को के सिर में गंभीर चोट आई है, जिसके बाद उन्हें भोपाल रेफर किया गया।

कृषि क्षेत्र में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में शानदार प्रगति : लक्ष्य से आगे बढ़ता जिला

सीहोर, (निप्र)। जिले में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। कृषि, सिंचाई और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं में बेहतर क्रियान्वयन के चलते न केवल तय लक्ष्य पूरे किए गए, बल्कि कई क्षेत्रों में प्रभावी परिणाम भी देखने को मिले हैं।

तिलहन मिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन) के अंतर्गत समूह प्रदर्शन में 1500 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे पूरी तरह हासिल कर लिया गया। यह दर्शाता है कि किसानों ने आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए उत्पादन बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

प्रशिक्षण और तकनीकी जागरूकता में बढ़ोतरी

किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रशिक्षण देने पर विशेष ध्यान दिया गया। वर्ष 2025-26 में 59 प्रशिक्षण का लक्ष्य रखा गया, जिसमें से लगभग शत प्रतिशत पूरे किए जा चुके हैं। इससे किसानों में नई तकनीकों और फसल प्रबंधन को लेकर जागरूकता बढ़ी है।

सूक्ष्म सिंचाई योजना में प्रभावी क्रियान्वयन : प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीडीएमसी) के तहत स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिस्टम में 232 इकाइयों का लक्ष्य रखा गया था, जिसे पूरी तरह हासिल कर लिया गया। इससे जल संरक्षण के साथ-साथ खेती की लागत में कमी और उत्पादन में वृद्धि संभव हुई है।

स्वाइल हेल्थ में भी अच्छी प्रगति

स्वाइल हेल्थ एवं फर्टिलिटी के तहत 18,200 सैंपल का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें 14 मार्च 2026 तक लगभग 15000 से अधिक सैंपल का परीक्षण पूरा किया जा चुका है। यह किसानों को उनकी जमीन की गुणवत्ता के अनुसार उर्वरक उपयोग में मदद करेगा।

समग्र विकास की ओर बढ़ता कदम

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जिले में योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी तरीके से हो रहा है। प्रशासन और किसानों के संयुक्त प्रयासों से विकास की गति तेज हुई है, जिससे आने वाले समय में कृषि उत्पादन और किसानों की आय में और वृद्धि की उम्मीद है।

जल गंगा संवर्धन अभियान: ग्राम पंचायत बेला में स्थित शिव शक्ति धाम बावड़ी परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित

बैतूल, (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड भीमपुर के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत बेला में स्थित शिव शक्ति धाम बावड़ी परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था नव एकलव्य मानव सेवा समिति खुर्दा एवं जनकल्याण संस्था कुंड बकाजन के सहयोग से किया गया। साथ ही मास्टर ऑफ सोशल वर्क एवं बैचलर ऑफ सोशल वर्क के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान श्रमदान के माध्यम से बावड़ी के चारों ओर साफ-सफाई कर जल स्रोत के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता लवकेश मोरसे, पूजा मोरले, विजेश इरपाचे, दीपिका सराठे एवं ग्राम पंचायत बेला के रोजगार सहायक सुरेश विश्वकर्मा सहित प्रस्फुटन समिति के सदस्य गुन्नू उईके, अलकेश कुदारे एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। परामर्शदाता लवकेश मोरसे ने बताया कि यह अभियान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इसमें विकासखंड समन्वयक राजू मांडवे, जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी एवं संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी के निर्देशन में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद श्री मोहन नागर के मार्गदर्शन में पूरे मध्यप्रदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गांव-गांव में विलुप्त हो चुके जल स्रोतों जैसे तालाब, कुएं, बावड़ी, नाले एवं छोटी नदियों का पुनर्जीवन ग्रामीणों के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम को जन आंदोलन का रूप देने के लिए विकासखंड भीमपुर में जल संगोष्ठी, प्रभात फेरी एवं ग्राम चौपाल जैसे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे जल की प्रत्येक बूंद को संरक्षित किया जा सके।

भूकम्प आपदा जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र किए वितरित

बैतूल, (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में बैतूल में भूकम्प पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में सोनाघाटी होमगार्ड प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित 05 दिवसीय भूकम्प आपदा जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण 25 मार्च से 29 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विभागों के प्राचार्य, स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग के चिकित्सक, नगर पालिका एवं पंचायत सचिव, पुलिस विभाग तथा सिविल डिफेन्स के वालेंटियरों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य भूकम्प जैसी आपदा से पूर्व तैयारी एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की क्षमता का विकास करना था। इस प्रशिक्षण के अंतिम दिवस के प्रथम सत्र में भूकम्प से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रबंधन की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के श्री भूपेन्द्र सिंह एवं जिला चिकित्सालय के श्री हरी वाघमारे द्वारा बर्न जलने की स्थिति से बचाव एवं उपचार की जानकारी दी गई। जिला सैनानी श्री इन्दल उपनारे एवं प्लाटून कमाण्डर श्रीमती सुनीता पन्द्रे ने आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके योगदान की सराहना की गई। इस दौरान प्लाटून कमाण्डर श्रीमती सुनीता पन्द्रे, एएसआई श्री वीरनसिंह कुशराम, हवलदार अनुदेशक श्री बलीराम सरयाम, हवलदार स्टोरमेन श्री अवधेश वर्मा सहित होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के जवान तथा संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चना व मसूर का उपार्जन 30 मार्च से 28 मई तक होगा

हरदा,(निप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर चना एवं मसूर फसल का उपार्जन 30 मार्च से 28 मई 2026 तक किये जाना है। उप संचालक कृषि श्री जे.एल. कास्दे ने बताया कि निर्देशों के परिपालन में जिले में 7 चना उपार्जन केंद्र शासकीय वेयरहाउस में स्थापित किये गये है। इनमें शासकीय वेयर हाउस खेडा – सेवा सहकारी समिति खेडा एवं सोनतालाई, शासकीय वेयरहाउस सुल्तानपुर – सेवा सहकारी समिति गहाल, मसनगाँव, रहटाकलां, शासकीय वेयर हाउस सक्तापुर – सेवा सहकारी समिति बेड़ियाकलां तथा शासकीय वेयरहाउस खिरकिया (कृषि उपज मंडी) – सेवा सहकारी समिति मोरगडी शामिल है। उप संचालक कृषि श्री कास्दे ने किसान भाईयों से अनुरोध किया है कि चना उपार्जन केन्द्रों पर चना फसल के स्लॉट बुक कर, सुविधा अनुसार समयावधि में अपनी फसल का विक्रय कर सकते है।

परस्पर समन्वय से जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाएं रखें: कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

कानून व्यवस्था को लेकर सजग रहें, नरवाई/आगजनी की घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही की जाएं : पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन

बैतूल, (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि राजस्व और पुलिस विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखें। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित पुलिस एवं राजस्व विभाग की समन्वय बैठक में जिले के सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार एवं थाना प्रभारियों को दिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि दुर्घटनाओं के मामलों में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा घायलों को व्यवस्थित उपचार मिले। 'राहवीर' और पीएम राहत योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जाए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व से संबंधित विवादित प्रकरणों के गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश भी दिए। साथ ही नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं प्रतिबंधात्मक आदेशों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने राजस्व और पुलिस को नगरपालिका से सतत समन्वय बनाए रखने, दमकल एवं एम्बुलेंस सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित रखने तथा आवश्यक अनुमतियां निर्धारित प्रारूप में जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि जिले में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की पर्याप्त और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। सभी ईंधनों के दाम, आवक एवं उपयोग पर नियंत्रण बनाए रखा जाए, ताकि आपूर्ति प्रभावित न हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन ने कहा कि पुलिस एवं राजस्व के बीच बेहतर समन्वय से कानून व्यवस्था अच्छी बनी रहे। जनहित एवं कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में सतर्क और सजग रहें तथा स्थानीय मुद्दों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जाएं। उन्होंने नरवाई आगजनी की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने, नगरपालिका के साथ समन्वय रखते हुए आग पर शीघ्र नियंत्रण पाने तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी, एसडीओपी बैतूल श्री सुनील लाटा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती तृप्ति पटेरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल को उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल एवं उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने लोकभवन में पुष्पगुच्छ भेंट किया।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के युवा विधायक सम्मेलन का समापन

पीएम मोदी के विकसित भारत का सपना युवाओं की सक्रियता से होगा पूरा : उप सभापति राज्यसभा

भोपाल (एजेंसी)। उप सभापति राज्यसभा श्री हरिवंश सिंह ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से उभरती अर्थव्यवस्था है। भारत चुनौतियों से निपट कर नया इतिहास बना रहा है और आने वाली सदी भारत की होगी। इसके लिए सकारात्मक और दूरदर्शी सोच के साथ कार्य करना आवश्यक है। उप सभापति राज्यसभा श्री सिंह विधानसभा में आयोजित मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के दो दिवसीय युवा विधायक सम्मेलन (राष्ट्रकुल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-6) के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी एवं विकसित भारत@2047 में विधायकों की भूमिका पर विचार व्यक्त किये गये।

उप सभापति राज्यसभा श्री सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि युवा देश का इतिहास, दिशा और भविष्य बदल सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत का सपना युवाओं की सक्रियता से ही पूरा होगा। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में विकास की यही गति जारी रही तो वर्ष@2047 के पहले भी भारत विकसित राष्ट्र बन सकता है।

● देश के प्रति समर्पण भाव से कार्य कर साकार करें विकसित भारत@2047 की परिकल्पना : तोमर

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि विकसित भारत@2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए युवा विधायकों को समसामयिक परिस्थितियों में देश के प्रति समर्पण भाव से कार्य करना होगा। नेतृत्व विकास के लिए सकारात्मक सोच और अनुशासन से कार्य करना होगा। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने युवा विधायकों को संकल्प दिलाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का विकसित भारत@2047 का विजन केवल सरकार का नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। युवा विधायक चुनौतियों का समाधान कर अपनी नेतृत्व क्षमता का नवाचार में उपयोग करें। युवा नेतृत्व समाज की सोच में परिवर्तन ला सकता है। सुशासन के क्षेत्र में प्रयास हों और विकास को जनआंदोलन बनाया जाये। लोकतंत्र की मजबूती के लिए नागरिकों का जागरूक होना अनिवार्य है। श्री तोमर ने बताया कि युवा विधायकों ने टेक्नोलॉजी, स्वच्छता, सोलर एनर्जी, शिक्षा गुणवत्ता, अधोसंरचना, जनसंवाद और जनकल्याण पर विचार व्यक्त किए हैं। उन्होंने युवा विधायकों को सीख दी कि अध्ययन का विशेष महत्व होता है और विद्यार्थी भाव सदैव बना रहना चाहिए। कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन इंडिया रीजन के डॉ. राहुल कराड़ ने कहा कि हर विधानसभा में इस तरह के सम्मेलन किये जाना चाहिए। समाज का रूख बदलने में विधायकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। विधायक अपने-अपने क्षेत्र के ब्रांड एम्बेसेडर होते है। उन्होंने ट्रेनिंग और एजुकेशन के साथ एआई के महत्व को भी बताया। सम्मेलन में विधानसभा के सात दशक पर केन्द्रित विधायिनी पत्रिका का विमोचन हुआ। विधायक सर्वश्री डॉ. अभिलाष पाण्डेय, संतोष वरवडे, सुश्री रामसिया भारती, छत्तीसगढ़ से श्रीमती विद्यावती सिदार, राजस्थान से श्री थावर चंद सहित अन्य विधायकों ने विचार व्यक्त किये। दो दिवसीय सम्मेलन में तीन राज्यों के लगभग 40 विधायकों ने सम्मेलन में दिए गए विषयों पर अपने वक्तव्य दिए।

कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, पूर्व मंत्री श्री अजय विश्नोई, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री सीताशरण शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय सहित अन्य पदाधिकारी एवं युवा विधायक मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। अंत में विधानसभा के सचिव श्री अरविन्द शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

50 लाख श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की नई दरें

श्रम विभाग का फैसला, एक अप्रैल से उद्योगों और सरकारी विभागों में काम करने वालों को फायदा

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के सरकारी और निजी सेक्टर में काम करने वाले करीब 50 लाख श्रमिकों को एक अप्रैल से 9 रुपए प्रतिदिन के मान से बढ़ा हुई परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जाएगा। इससे उनके वेतन में वृद्धि होगी। श्रम विभाग ने नए वित्त वर्ष के साथ प्रदेश के श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन दरों में बदलाव कर दिया है। 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 तक लागू रहने वाली इन नई दरों में बदलाव में सरकारी क्षेत्रों के 10 लाख और निजी सेक्टर खासतौर पर उद्योगों में काम कने वाले करीब 40 लाख श्रमिकों को न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948 के अंतर्गत यह लाभ मिलेगा, इसमें परिवर्तनशील महंगाई भत्ता भी शामिल है।

श्रमायुक्त ने यह बदलाव महंगाई सूचकांक के आधार पर किया है। इसमें जुलाई से दिसंबर 2025 के औसत सूचकांक में वृद्धि के कारण वेतन में बढ़ोतरी लागू की गई है। श्रमायुक्त तन्वी हुड्डा द्वारा जारी आदेश में नई न्यूनतम वेतन दरें प्रतिदिन श्रम के आधार पर तय की गई हैं जिसमें 67 सामान्य नियोजन में काम करने वाले श्रमिकों को 26 दिन के आधार पर न्यूनतम वेतन इस तरह दिया जाएगा। इन 67 कैटेगरी में काम करने वालों को इसी आधार पर आने वाले समय में वेतन मिलेगा। अकुशल श्रमिक को महीने में 12425, अर्द्धकुशल श्रमिक को 13421, कुशल श्रमिक को 15144 और उच्च कुशल श्रमिक को 16769 रुपए प्रतिमाह वेतन मिलेगा जो 26 दिन के मान से दिया जाएगा।

आधी रात को प्रेमिका से मिलने पहुंचा था प्रेमी

● परिवार ने रंगे हाथ पकड़ा और उतार दिया मौत के घाट

शिवपुरी (नप्र)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले से एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जहां इश्क का अंजाम मौत के रूप में सामने आया। करैरा थाना क्षेत्र के एक गांव में आधी रात को अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की लड़की के परिजनों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है और पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

आधी रात का खौफनाक मंजर

जानकारी के अनुसार, मृतक युवक का गांव की ही एक युवती से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात युवक चुपके से प्रेमिका के घर उससे मिलने पहुंचा था। इसी दौरान लड़की

के परिजनों की नींद खुल गई और उन्होंने युवक को घर के भीतर ही रंगे हाथ पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद युवक की रहम की अपील का उन पर कोई असर नहीं हुआ।

लाठी-डंडों से वार कर उतारा मौत के घाट

आरोप है कि लड़की के पिता, भाइयों और अन्य परिजनों ने युवक को घेर लिया और उस पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवक को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि वह अधमरा होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलने पर जब तक पुलिस और परिजन उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश करते, युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

स्थानीय पुलिस अधिकारी, करैरा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि युवक लड़की के घर गया था जहाँ विवाद हुआ और मारपीट में उसकी मौत हो गई। हमने मामला दर्ज कर लिया है और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बेरहम मां!

ट्रेन के टॉयलेट में नवजात को छोड़ गई, चीखें सुनकर पहुंचे यात्री, पुलिस को सूचना दी

कटनी (नप्र)। मध्य प्रदेश के कटनी जिले से इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। बेरहम मां, अपने जिगर के टुकड़े को ट्रेन के टॉयलेट में छोड़ दिया है। नवजात बच्चे को ट्रेन के टॉयलेट में रखकर मां कही चली गई। यात्रियों को टॉयलेट से चीखें सुनाई दी तो पता चला कि नवजात बच्चा है। इसके बाद लोगों ने जीआरपी को सूचित किया है।

उत्कल एक्सप्रेस के टॉयलेट में मिला नवजात

दरअसल, 30 मार्च को उत्कल एक्सप्रेस हरिद्वार से पुरी जा रही थी। 5-4 कोच के टॉयलेट से चीखें सुनाई देने लगी। उस वक्त ट्रेन कटनी जिले के मुड़वारा स्टेशन पर पहुंची थी। यात्री टॉयलेट की तरफ गए तो देखा टॉयलेट की फर्श पर एक नवजात पड़ा हुआ है। उसके शरीर पर एक कपड़ा लपेटा हुआ था। नवजात काफी रो रहा था।

लोगों ने जीआरपी को सूचना दी

इसके बाद यात्रियों ने जीआरपी को इसकी सूचना दी। जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और नवजात को अपने कब्जे में लिया। कटनी जिला अस्पताल में नवजात का इलाज चल रहा है। उसे जिला अस्पताल के स्पेशल केयर न्यूबॉर्न यूनिट में रखा गया है।

जांच में जुटी पुलिस

अब रेलवे पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि टॉयलेट में नवजात को किसने छोड़ा है। रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज चेक किए जा रहे हैं। ट्रेन हरिद्वार से खुलती है। इसी बीच ट्रेन के टॉयलेट में नवजात को कही रखा गया होगा। उन तमाम स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा जा रहा है। साथ ही पैसेंजर्स से भी जानकारी ली जा रही है।

जबलपुर के अंधमूक बायपास पर मौत का तांडव

खड़े ट्रक में जा घुसी तेज रफ्तार पिकअप, महिला समेत दो की मौत

जबलपुर (नप्र)। संस्कारधानी जबलपुर के संजीवनी नगर थाना अंतर्गत अंधमूक बायपास पर मंगलवार सुबह ऐसा हादसा हो गया, जिसने राहगीरों के दिल दहला दिए। सिवनी से सब्जी लोड कर जबलपुर मंडी आ रही एक तेज रफ्तार लोडिंग पिकअप सड़क किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। इस भीषण भिड़ंत में पिकअप में सवार एक महिला और एक युवक की मौत हो गई।

नींद की झपकी या रफ्तार का कहर?- संजीवनी नगर पुलिस के अनुसार, सिवनी के घंसौर निवासी आकाश यादव बीती रात करीब 3 बजे अपनी पिकअप में सब्जी भरकर जबलपुर आ रहा था। उसके साथ केबिन में छोटी बाई उर्फ गोमती कुशवाहा (40) और संदीप कुशवाहा (25) सवार थे। सुबह लगभग 5:30 बजे जब वाहन अंधमूक बायपास ब्रिज पार कर रहा था, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और पिकअप सीधे हाईवे किनारे खड़े ट्रक के कंडैक्टर साइड से जा टकराई।

क्रेन और राहगीरों की मदद से निकाले गए शव- हादसा इतना जोरदार था कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह लोहे का मलबा बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहगीरों की मदद से काफी मशक्कत के बाद केबिन में फंसे संदीप और गोमती को बाहर निकाला। उन्हें तत्काल 1033 हाईवे एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सम्मति पुस्तिका

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने 31 मार्च को ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय को भेंट दी। सम्मति पुस्तिका में आपने अपनी अनुभूति अंकित की।

ट्रैक्टर पर मजदूर बन कर बैठीं डीएसपी-एसडीओपी और रिश्वतखोर कॉन्स्टेबल को पकड़ लिया

कटनी में मजदूर बनकर किया ट्रैप ; आरोपी सस्पेंड, टीआई को हटाया

कटनी (नप्र)। मध्यप्रदेश के कटनी के बहोरीबंद थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह भ्रष्टाचार के खिलाफ एक अनोखा ट्रैप ऑपरेशन सामने आया। प्रशिक्षु डीएसपी शिवा पाठक और एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी ने मजदूर बनकर ट्रैक्टर पर सफर किया और अवैध वसूली करने वाले आरक्षक को रंगे हाथ पकड़ लिया।

दरअसल, एसपी को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि बहोरीबंद थाना क्षेत्र में वाहन चालकों, खासकर किसानों और ट्रैक्टर चालकों से अवैध वसूली की जा रही है। इसी के बाद रणनीति के तहत दोनों महिला अफसरों ने सुबह करीब 5 बजे सादा वेश धारण किया और ट्रैक्टर पर मजदूरों के साथ बैठ गईं।

रिश्वत के पैसे लेते ही रंगे हाथ गिरफ्तारी- स्लीमनाबाद मोड़ के पास थाना मोबाइल वाहन पर तैनात आरक्षक लक्ष्मण पटेल ने ट्रैक्टर को रोका और 500 रुपए की मांग की। जैसे ही आरक्षक ने पैसे लिए, ट्रैक्टर पर मौजूद महिला अफसरों ने तुरंत उसे पकड़ लिया। पूरी कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई, जिसे बाद में वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा गया।

कॉन्स्टेबल और टीआई पर लिया एक्शन- कार्रवाई के बाद एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने तत्काल प्रभाव से आरक्षक को निलंबित कर दिया। साथ ही थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया को लापरवाही और अवैध वसूली के आरोपों में पद से हटा दिया गया। फिलहाल थाना की जिम्मेदारी टीआईसी धनंजय पांडेय को सौंपी गई है। थाना प्रभारी पर पहले भी विवादों के आरोप लग चुके हैं, जिनमें जुआ फड़ और वन्यजीव मांस से जुड़े मामलों की चर्चा रही है।

प्रदेश के 12 जिलों में ओले तो 41 जिलों में बारिश हुई

रायसेन में बिजली गिरने से गेहूं की फसल जली, दमोह में पेड़ गिरा, कार क्षतिग्रस्त

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। 24 घंटे के दौरान प्रदेश के 41 जिलों में आंधी-बारिश हुई, जबकि 12 जिलों में ओलावृष्टि दर्ज की गई। इससे कई इलाकों में तापमान में गिरावट आई और जनजीवन प्रभावित हुआ।

मौसम विभाग के अनुसार, बारिश का दौर मंगलवार सुबह तक जारी रहा। इस दौरान उज्जैन, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास, नीमच, मंदसौर, भोपाल, विदिशा, राजगढ़, सीहोर, रायसेन, इंदौर, धार, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बड़वानी, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, दमोह, बालाघाट, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, श्योपुर, गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, सतना, रीवा, सिंगरौली, अनूपपुर और ग्वालियर समेत कई जिलों में बारिश दर्ज की गई।

वहीं नीमच, मंदसौर, धार, उज्जैन, शाजापुर, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, राजगढ़, सीहोर, सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में ओले गिरे, जिससे फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

तेज आंधी ने बढ़ाई परेशानी- बारिश के साथ कई जिलों में तेज आंधी भी चली। नर्मदापुरम में सबसे तेज 63 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली। इसके अलावा भोपाल में 54 किमी घंटा, सीहोर में 52 किमी घंटा, अशोक नगर और कटनी में 48 किमी घंटा, सागर में 44 किमी घंटा और गुना-सीधी में 41 किमी घंटा की रफ्तार दर्ज की गई।

इसी तरह शिवपुरी, सतना और विदिशा में 39 किमी घंटा, जबलपुर, बैतूल और आगर में 37 किमी घंटा, इंदौर में 34 किमी घंटा और पचमढ़ी में 33 किमी घंटा की गति से हवाएं चलीं।

रायसेन - जिले के अंबाडी गांव में सोमवार शाम बिजली गिरने से एक किसान के खेत में आग लग गई। इस घटना में किसान बारेलाल की करीब तीन एकड़ गेहूं की फसल जल गई।

दमोह - जिले में सोमवार रात आए आंधी-तूफान के कारण बटियागढ़ ब्लॉक में एक बड़ा पेड़ टूटकर पशु अस्पताल के सामने खड़ी कार पर गिर गया। इस घटना में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, कोई जनहानि नहीं हुई।